



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 353]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 7, 2019/कार्तिक 16, 1941

No. 353]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 7, 2019/KARTIKA 16, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2019

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई) के मूल अथवा वहां से निर्यात किया गया क्लियर फ्लोट ग्लास के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा (एस एस आर) पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 7/3/2019 - डी जी टी आर.—जहां तक भारत में क्लियर फ्लोट ग्लास के घरेलू उत्पादकों की ओर से और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित इस अधिनियम 9क (5) के अनुसार दायर किये गये विधिवत प्रमाणित आवेदन के आधार पर 1995 में यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 तथा उसका (इसके पश्चात् अधिनियम के रूप में संदर्भित) सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात् नियमावली के रूप में संदर्भित) का संबंध है, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार में उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत नियुक्ति किये गये निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके पश्चात् “प्राधिकारी” के रूप में संदर्भित) ने इस तथ्य की जांच करने के लिए दिनांक 1.5.2019 की अधिसूचना 7/3/2019 – डी जी टी आर के द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच आरंभ की कि क्या पाकिस्तान, सऊदी अरब, यू ए ई के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये क्लियर ग्लास स्रोत के आयात पर लागू शुल्क के समाप्त होने से पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

क. इस मामले की पृष्ठभूमि

1. उपर्युक्त अधिनियम और नियमावली के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 11.04.2013 की अधिसूचना 14/25/2012 के द्वारा इस जांच की शुरुआत की थी। प्राधिकारी ने दिनांक 10.10.2014 के अपने अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/25/2015 – डी जी ए डी के द्वारा पाकिस्तान, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (संबद्ध देशों) से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी लगाये जाने की सिफारिश की। शुल्क केंद्र सरकार के दिनांक 11.12.2014 के सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 48/2014 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के द्वारा लगाया गया था।
2. इसके अलावा, मैसर्स ताकिर ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि., पाकिस्तान ने अपने द्वारा निर्यात किये गये वस्तुओं की अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए नई शिपर समीक्षा किये जाने के लिए एक आवेदन दायर किया। प्राधिकारी ने दिनांक 23.09.2015 के अधिसूचना फा. सं. 15/16/2015 – डी जी ए डी के द्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत नई शिपर समीक्षा आरंभ की। इसके अलावा, उक्त निर्यातक के लिए प्रति मी. ट. 23.54 यू. एस. डॉलर के अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करते हुए दिनांक 10.04.2017 को अंतिम जांच परिणाम जारी किया गया था। हालांकि, मैसर्स ताकिर ग्लास इंडस्ट्रीज बनाम मैसर्स सेंट गोवेन इंडिया प्रा. लिमि. के मामले माननीय मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 27.06.2019 के आदेश के द्वारा उक्त अंतिम जांच परिणामों को अमान्य घोषित कर दिया गया था।
3. जबकि यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1995 की धारा 9क (5) के अनुसार, लगाया गया पाटनरोधी शुल्क उस स्थिति में इस प्रकार के लगाये जाने की तिथि से पांच वर्षों के समाप्त होने पर निष्प्रभावी हो जायेगा, जब उसे पूर्व में रद्द न किया गया हो और प्राधिकारी से इस तथ्य की समीक्षा करना अपेक्षित है कि क्या इस शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है। उपर्युक्त के अनुसार, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य के संबंध में घरेलू उद्योग के द्वारा अथवा उसकी ओर से किये गये विधिवत प्रमाणित अनुरोध के आधार पर समीक्षा करे कि क्या शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।
4. उक्त शुल्क के समाप्त होने से पूर्व, घरेलू उत्पादक जो मैसर्स सेंट गोवेन इंडिया प्रा. लिमि., मैसर्स सिसकेम फ्लेट इंडिया लिमि. और मैसर्स गोल्ड पल्स ग्लास इंडस्ट्री लिमि. हैं, ने शुल्क के समाप्त किये जाने की स्थिति में संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये उपर्युक्त वस्तुओं के पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना का आरोप लगाते हुए इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से प्राधिकारी के समक्ष मार्च, 2019 के एक विधिवत प्रमाणित आवेदन दायर किया और संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये “क्लियर फ्लोट ग्लास” के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने अथवा उसमें वृद्धि करने के लिए उसकी समीक्षा किये के लिए अनुरोध किया।
5. घरेलू उद्योग द्वारा दायर किये गये विधिवत प्रमाणित आवेदन के आधार पर, प्राधिकारी ने दिनांक 01.05.2019 की अधिसूचना 7/3/2019 – डी जी टी आर के माध्यम से इस तथ्य की जांच करने के लिए पाकिस्तान, सउदी अरब और यू ए ई के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये “क्लियर फ्लोट ग्लास” के आयात पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा आरंभ की कि क्या लागू शुल्क के समाप्त होने से पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
6. वर्तमान समीक्षा के कार्यक्षेत्र में संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये उपर्युक्त वस्तुओं के आयातों के संबंध में मूल जांच के सभी पहलू शामिल हैं।

क. प्रक्रिया

7. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन इस जांच के संबंध में किया गया है :

- i. नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार इन जांचों को आरंभ किये जाने के बारे में सूचना दी गई थी।
- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावास को इस आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रतियां उपलब्ध कराईं। इस आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराई गई थी और जहां भी अनुरोध किया गया, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराया गया।
- iii. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्माताओं/ निर्माताओं जिनके नाम और पते नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गये थे, को आम सूचना की प्रति अग्रेषित की :
 - क. मैसर्स घनी ग्लास लिमिटेड, पाकिस्तान
 - ख. मैसर्स तारिक ग्लास कंपनी, पाकिस्तान
 - ग. मैसर्स अमीरात फ्लोट एल एल सी, यू. ए. ई.
 - घ. मैसर्स ओबिकन ग्लास कंपनी, सउदी अरब
- iv. इस प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित के द्वारा प्रस्तुत किया गया था :
 - क. मैसर्स अमीरात फ्लोट एल एल सी, यू. ए. ई.
 - ख. मैसर्स घनी ग्लास लिमिटेड, पाकिस्तान
 - ग. मैसर्स तारिक ग्लास कंपनी, पाकिस्तान
- v. आयातक की प्रश्नावलियां भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने की मांग करते हुए भेजी गयी थी :
 - क. मैसर्स अटलांटिक ट्रेडिंग – मुम्बई
 - ख. मैसर्स कंचधर – मुम्बई
 - ग. मैसर्स फिशफा ग्ला – मुम्बई
 - घ. स्मार्थ इंडस्ट्रीज – मुम्बई
 - ङ. मैसर्स प्रशांत ट्रेडिंग – मुम्बई
 - च. मैसर्स अस्मी ट्रेडर्स – मुम्बई
 - छ. मैसर्स राजत ग्लास ट्रेडर्स - कराड
 - ज. मैसर्स चंदन ग्लास ट्रेडर्स – पुणे
 - झ. मैसर्स कोच्चर ग्लास ट्रेडर्स – भोपाल
 - ञ. मैसर्स गनेरीवाला ब्रॉदर्स प्रा. लिमि. – कोलकता
 - ट. मैसर्स सुरे सेफ ग्रुप/ गनेरीवाला ग्लास ट्रेडर्स – कोलकता
 - ठ. मैसर्स एम एस ग्लास ट्रेडर्स – कोलकता
 - ड. मैसर्स ग्लाजे आर्किटेक्चर प्रा. लिमि. – कोलकता

- ढ. मैसर्स ग्लाजे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लिमि. – कोलकता
- ण. मैसर्स सराफ ग्लास प्रा. लिमि. – कोलकता
- त. मैसर्स जी एस सी, नोएडा
- थ. मैसर्स शिव शक्ति, रुड़की
- द. मैसर्स रिद्धि सिद्धि, जयपुर
- ध. मैसर्स बनारस ग्लास, लखनऊ (ग्लोब इण्डिया)
- न. मैसर्स टी. एल. वर्मा, चण्डीगढ़
- प. मैसर्स जगदंबा ग्लास, दिल्ली
- फ. मैसर्स शीश महल टफ, रोहतक
- ब. मैसर्स नूतन ग्लास एचएस (प्रा.) लिमि. बेंगलोर
- भ. महावीर ग्लास एचएस. बेंगलोर
- म. मैसर्स कनार्टक मेटल कंपनी, बेंगलोर
- य. मैसर्स इम्पेक्ट सेफ्टी ग्लास (प्रा.) लिमि., बेंगलोर
- र. मैसर्स सदरन ऑटो प्रॉडक्ट्स (प्रा.) लिमि., बेंगलोर
- ल. मैसर्स टॉग ग्लास इंडिया, बेंगलोर
- व. मैसर्स येशू फ्लोट ग्लास (प्रा.) लिमि., हैदराबाद
- श. मैसर्स भंडारी ग्लास कंपनी, हैदराबाद
- ष. मैसर्स प्रकाश ग्लास, हैदराबाद
- स. मैसर्स महावीर ग्लास, चेन्नई/ नवाकर/ महावीर मिरर, विशाखापटनम
- ह. मैसर्स उमा इंडस्ट्रीज, बेंगलोर
- क्ष. मैसर्स जय मिरर इंडस्ट्रीज, चेन्नई
- vi. उपर्युक्त आयातकों/ प्रयोक्ताओं में से किसी ने भी जांच की प्रक्रिया के दौरान उत्तर नहीं दिया है।
- vii. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य का अगोपनीय पाठ (एन सी वी) प्राधिकारी द्वारा रखे गये सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराया और उसे पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 6(7) के अनुसार इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।
- viii. वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) को जांच की अवधि तथा पूर्व के तीन वर्षों की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध किया गया था और उसे प्राप्त कर लिया गया तथा उस पर विश्वास किया गया।
- ix. क्षति रहित कीमत (एन आई पी) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की अपनी लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने और उसकी बिक्री करने की लागत के आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III में दर्शाये गये दिशानिर्देशों के आलोक में तय किया गया है।

- x. इन याचिकाकर्ताओं तथा संबद्ध देशों उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का मौके पर सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक प्राधिकारी द्वारा उसे संगत माना गया।
- xi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 07.08.2019 को आयोजित मौखिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर भी प्रदान किये। उन पक्षकारों जिन्होंने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किये गये विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें।
- xii. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान सूचना देने से इन्कार किया है अथवा अन्य प्रकार से आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा इस जांच में पर्याप्त रूप से बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने “सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना” का उपयोग किया है और इस प्रकार के पक्षकारों को असयोगी के रूप में माना है।
- xiii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के लिए माने गये आवश्यक तथ्यों/ आधार को दिनांक 22 अक्टूबर, 2019 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया था और निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां प्राप्त की गई थी :
 1. घरेलू उद्योग
 2. मैसर्स तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि., पाकिस्तान
 3. मैसर्स घनी ग्लास लिमि., पाकिस्तान
 4. मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास, एल एल सी, यू. ए. ई.
- xiv. उसके संबंध में उस सीमा तक प्राप्त टिप्पणियों जो इस जांच के लिए संगत हैं, पर विचार अंतिम जांच परिणामों में किया गया है।
- xv. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य का अगोपनीय पाठ प्राधिकारी द्वारा रखे गये सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराया और उसे नियम 6(7) के अनुसार इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया।
- xvi. इस जांच के उद्देश्य से, जांच के अधीन अवधि 1.1.2018 से 31.12.2018 की और क्षति की जांच के उद्देश्य से 2015-16, 2016-17, 2017-18 की अवधि और जांच की अवधि के आंकड़ों पर विचार किया गया है।
- xvii. इस अंतिम जांच परिणाम में *** इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से मानी गयी सूचना का द्योतक है।
- xviii. जांच की अवधि के लिए लिया गया विनियम दर 1 अमरीकी डॉलर = 69.24 रुपये हैं।

ख. विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) और समान वस्तु

8. वर्तमान जांच के प्रयोजन से विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) को पाकिस्तान, सउदी और यू ए ई के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये “4 मि. मी. से 12 मि. मी. (इसमें दोनों शामिल हैं) तक की बहुत मामूली मोटाई का क्लियर फ्लोट ग्लास”, उसकी बहुत मामूली मोटाई बी आई एस 14900:2000 के अनुसार है, के रूप में परिभाषित किया गया था।
9. क्लियर फ्लोट ग्लास का उपयोग, निर्माण, रेफ्रीजरेशन, दर्पण, सौर ऊर्जा उद्योगों आदि में किया जाता है। यह उत्पाद उत्कृष्ट कोटि का एक ग्लास है। अपनी अंतर निहित शक्तियों, दृष्टि संबंधी उच्च स्पष्टता, वक्रतामुक्त चिकना सतह आदि के कारण, इस उत्पाद का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों से बढ़ता रहा है।

10. फ्लोट ग्लास का वर्गीकरण अध्याय शीर्षक 70 “ग्लास और ग्लास वेयर” के अंतर्गत किया गया है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं का आयात प्रशुल्क उपशीर्षक 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 और 7020 के अंतर्गत भी किया जा रहा है। हालांकि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी प्रकार से इस जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

11. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के कार्यक्षेत्र में इन उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

12. वर्तमान जांच के प्रयोजन से विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) “4 मि. मी. से 12 मि. मी. (इसमें दोनों शामिल है) तक की बहुत मामूली मोटाई का क्लियर फ्लोट ग्लास” है जिसकी बहुत मामूली मोटाई बी आई एस 14900:2000 के अनुसार है।
13. क्लियर फ्लोट ग्लास का उपयोग, निर्माण, रेफ्रीजरेशन, दर्पण, सौर ऊर्जा उद्योगों आदि में किया जाता है। यह उत्पाद उत्कृष्ट कोटि का एक ग्लास है। अपनी अंतर निहित शक्तियों, दृष्टि संबंधी उच्च स्पष्टता, वक्रतामुक्त चिकना सतह आदि के कारण, इस उत्पाद का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों से बढ़ता रहा है।
14. फ्लोट ग्लास का वर्गीकरण अध्याय शीर्षक 70 “ग्लास और ग्लास वेयर” के अंतर्गत किया गया है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं का आयात प्रशुल्क टैरिफ शीर्षक 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 और 7020 के अंतर्गत भी किया जा रहा है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी प्रकार से सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के उत्पाद कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
15. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयात किये गये संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयात किये गये संबद्ध वस्तुओं विशेषताओं जैसे भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, निर्माण संबंधी प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और इन वस्तुओं के बाजार एवं प्रशुल्क वर्गीकरण के संबंध में तुलनीय हैं। इन आवेदकों ने यह दावा किया है कि वे संबद्ध वस्तु जिनका पाटन भारत में किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये वस्तुओं के सदृश है। पाटित आयातों और स्वदेश में उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और इन आवेदकों द्वारा निर्मित विचाराधीन उत्पाद के या तो तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्य और अंतिम प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। इन दोनों का तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है और इस कारण से उसे इस नियमावली के अंतर्गत “समान वस्तु” के रूप में माना जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. वर्तमान जांच के प्रयोजन से विचाराधीन उत्पाद “4 मि. मी. से 12 मि. मी. (इसमें दोनों शामिल है) तक की बहुत मामूली मोटाई का क्लियर फ्लोट ग्लास” है जिसकी बहुत मामूली मोटाई बी आई एस 14900:2000 (इसके पश्चात “संबद्ध वस्तुओं” के रूप संदर्भित) के अनुसार है।
17. क्लियर फ्लोट ग्लास का उपयोग, निर्माण, रेफ्रीजरेशन, दर्पण, सौर ऊर्जा उद्योगों आदि में किया जाता है। यह उत्पाद उत्कृष्ट कोटि का एक ग्लास है। अपनी अंतर निहित शक्तियों, दृष्टि संबंधी उच्च स्पष्टता, वक्रतामुक्त चिकना सतह आदि के कारण, इस उत्पाद का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों से बढ़ता रहा है और इसे “अध्याय शीर्षक 70 “ग्लास और ग्लास वेयर” के अंतर्गत किया गया है। 8 अंक के स्तर पर यह वर्गीकरण 70051090 है यद्यपि उसका वर्गीकरण और आयात विभिन्न उपशीर्षकों जैसे 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 और 7020

आदि के अंतर्गत किया जा रहा है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी प्रकार से सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के उत्पाद कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

18. इस अनुरोध के संबंध में कि परावर्तक ग्लास, हल्का हरा ग्लास, हरा ग्लास और पारगमन ग्लास का विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद को "4 मि. मी. से 12 मि. मी. (इसमें दोनों शामिल हैं) तक के बहुत मामूली मोटाई का क्लियर फ्लोट ग्लास" जिसकी बहुत मामूली मोटाई बी आई एस 14900:2000 के अनुसार है (इसके पश्चात "संबद्ध वस्तुओं" के रूप में संदर्भित) के रूप में परिभाषित किया गया है और इस प्रकार से इसमें उक्त उत्पाद शामिल नहीं हैं।

19. समान वस्तु के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(घ) में नीचे दिए गए अनुसार प्रावधान है -:

"समान वस्तु" का आशय उस वस्तु से है जो भारत में पाटित किये जाने के लिए जांच के अधीन वस्तु के सदृश्य अथवा उसी के जैसा हर प्रकार से हो और इस प्रकार की वस्तु के न होने पर, एक अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार से एक जैसा नहीं हो, फिर भी उसमें जांच के अधीन वस्तुओं से बिल्कुल मिलती जुलती विशेषताएं हों;

20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयात किये गये संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयात किये गये संबद्ध वस्तु विशेषताओं जैसे भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, निर्माण संबंधी प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और इन वस्तुओं के बाजार एवं प्रशुल्क वर्गीकरण के संबंध में तुलनीय हैं। इन दोनों का तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के कार्यक्षेत्र के भीतर और उस आशय से संबद्ध देशों से आयात किये गये विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु हैं।
21. कोई अन्य तर्क किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे पर नहीं किया गया है। इस कारण से प्राधिकारी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं वर्तमान समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र वही है जो मूल जांच में है।

ग. घरेलू उद्योग और इसका स्थान

22. निर्णायक समीक्षा के लिए वर्तमान आवेदन मैसर्स सेंट गोबेन इंडिया प्रा. लिमि., मैसर्स सिसेकेम फ्लोट ग्लास इंडिया लिमि. और मैसर्स गोल्ड पल्स ग्लास इंडस्ट्री लिमि. के द्वारा दायर किया गया है जिसका सामूहिक रूप से जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादन में 73 प्रतिशत हिस्सा है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, इस देश में विचाराधीन उत्पाद के दो अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मैसर्स अशाही इंडिया ग्लास लिमि. और मैसर्स गुजरात गार्जियन लिमि. हैं। यह भी नोट किया जाता है कि दोनों कंपनियों ने इन शुल्कों का समय विस्तार किये जाने का न तो समर्थन किया है और न ही विरोध किया है।
23. उपलब्ध सूचना के अनुसार, याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया है और न ही वे संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से संबंधित हैं। इसके अलावा, इन याचिकाकर्ताओं का संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात है।
24. उपर्युक्त को देखते हुए और चूंकि इनमें से किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के स्थान के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है अतः प्राधिकारी ने इस नियमावली के नियम 2(ख) के आशय से घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ताओं को माना है और यह आवेदन नियम 5 के संबंध में स्थान के मानदंड को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

निर्यातकों/ आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

25. निर्यातकों/ आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया उत्तर व्यापार सूचना के अनुसार है और इन निर्यातकों ने उसका विधिवत पालन करते हुए अपना उत्तर प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, यह दावा किया गया है कि उन्होंने अगोपनीय पाठ में गोपनीय पाठ की बिलकुल वही प्रतिकृति प्रस्तुत की है। इस कारण से घरेलू उद्योग का यह आरोप कि उन्होंने उचित अगोपनीय पाठ प्रस्तुत नहीं किया है, सही नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

26. निर्यातकों/ आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावे के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किया गया विभिन्न अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- i. अत्यधिक गोपनीयता का दावा इन निर्यातकों द्वारा किया गया है क्योंकि प्रश्नावली के उत्तर का अगोपनीय पाठ इस नियमावली के अंतर्गत यथाअपेक्षित और इस मुद्दे पर दिये गये अनुदेशों के अनुसार इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किये गये गोपनीय पाठ की वही प्रतिकृति नहीं थी।
- ii. इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि जहां तक उनके अनुरोधों का प्रश्न है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के प्रावधानों और इस संबंध में जारी किये गये व्यापार सूचनाओं के अनुसार गोपनीयता का दावा किया गया है। इस कारण से, हितबद्ध पक्षकारों के ये दावे कि इस याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है, का कोई आधार नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों जिसे प्राधिकारी द्वारा एक सीमा तक संगत माना गया है कि जांच और उसका समाधान नीचे दिये गये अनुसार किया जाता है :

- i. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-
 - (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।
 - (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
 - (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।
- ii. इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न किये गये के रूप में माना गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय

आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराये। प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।

च. विविध अनुरोध

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

28. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों और इस प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार हैं :

- i. इस याचिका में अनेक कमियां हैं और निर्यातकों ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वे घरेलू उद्योग द्वारा किये गये दावों की जांच करें।
- ii. संबद्ध देशों से आयातों के कारण जांच की अवधि में क्षति के आरोपों की पुष्टि पूर्ण रूप से नहीं की गई है और घरेलू उद्योग ने सतत क्षति के इस प्रकार का आरोप लगाते समय तथ्यों को गलत रूप से प्रस्तुत किया है।
- iii. यह अनुरोध किया जाता है कि सहयोगी यू ए ई उत्पादक ने जांच की अवधि में ब्राजील को निर्यात किया है और दक्षिण अफ्रीका को बहुत कम मात्रा में निर्यात किया है और उसी अवधि में कंपनी लगभग 100 प्रतिशत के करीब उपयोगिता पर कार्य कर रही थी। यही दर्शाता है कि ब्राजील अथवा दक्षिण अफ्रीका अमीरात फ्लोट ग्लास के लिए कभी भी एक महत्वपूर्ण बाजार नहीं रहा है और इस प्रकार के देशों द्वारा किसी प्रकार का व्यापार प्रतिबंधात्मक उपायों से निर्यातक के पास निर्यात योग्य अतिरिक्त मात्रा की कोई उपलब्धता नहीं होने जा रही है।

प्रकटन विवरण के बाद उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

- iv. प्राधिकारी केवल 8 सितंबर, 2015 के अधिसूचना सं. 47/2015 – सीमा शुल्क (ए डी डी) को जारी नहीं रख सकते हैं क्योंकि तारिक ग्लास मूल जांच के समय में निर्यातक नहीं था। यह अनुरोध किया जाता है कि उन पक्षकारों जिन्होंने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग लिया है, को अलग अलग मार्जिन दिया ही जाना चाहिए और न केवल उन्हें यह दिया जाना चाहिए जिन्होंने मूल जांच में भाग लिया था।

घरेलू उद्योगों का दृष्टिकोण

29. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किये गये विविध अनुरोधों और इस प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार हैं :

- i. इस याचिका में उपलब्ध कराई गई सूचना सही है और इसमें किसी प्रकार की कोई विसंगति नहीं है जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किया गया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने इस नियमावली में निर्धारित सभी प्रक्रियाओं का पालन किया है।
- ii. सउदी अरब में यू ए ई के उत्पादकों को ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में पाटनरोधी उपायों का सामना करना पड़ रहा है। यह संबद्ध देशों से आयातकों पर दबाव को दर्शाता है।

प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योगों द्वारा किया गया अनुरोध

- iii. घरेलू उद्योग ने तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि., पाकिस्तान से निर्यात किये गये संबद्ध वस्तुओं की निवल निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य के निर्धारण में पैकिंग लागत समायोजनों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह उल्लेख किया है कि ये समायोजन संबद्ध वस्तुओं की प्रकृति और शामिल वाहन अंतरण पर विचार करते हुए अपेक्षित है, पैकिंग लकड़ी से बने डिब्बे में अपेक्षित है और इन लागतों पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान हितवद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये विभिन्न मुद्दे और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये मुद्दों की जांच यहां नीचे की जाती है :
- क. विरोधी हितवद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में की इस याचिका में कमियां हैं और इस कारण से इस जांच को समाप्त किये जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पाटन, क्षति और पाटन एवं क्षति की संभावना को दर्शाते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर आरंभ किया गया था। आरंभ के पश्चात, प्राधिकारी ने जहां भी अपेक्षित हुआ अतिरिक्त सूचना भी मांगी है और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है।
- ख. तारिक ग्लास की निर्यात कीमत से भारत को निर्यातों के लिए पैकिंग लागत के लिए समायोजन के संबंध में यह नोट किया जाता है कि मैसर्स तारिक ग्लास ने भारत में खुले रूप में (बिना लकड़ी के पैलेट्स के) संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और इस प्रकार से उसे निवल निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य की गणना के लिए स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, तारिक ग्लास ने घरेलू बाजार में भी खुले रूप में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। प्राधिकारी ने उन लेन देन के लिए सामान्य मूल्य की गणना हेतु जहां संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पैक किये गये रूप में की जाती है, के लिए समायोजन मंजूर किया है।
- ग. घरेलू उद्योग के इस अनुरोध के संबंध में की तारिक ग्लास को मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को देखते हुए शुल्क की अलग दर नहीं मंजूर की जा सकती है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश नई शिपर समीक्षा में जारी किये प्राधिकारियों के जांच परिणामों पर ही लागू है। मद्रास उच्च न्यायालय का निर्णय तारिक ग्लास को बाद की जांचों में भाग लेने से नहीं रोकता है। इसके अलावा, उत्पादक/ निर्यातक जो जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी को पूर्ण रूप से सहयोग करते हैं, को शुल्क की अलग अलग दर मंजूर करने के लिए प्राधिकारी की सतत् प्रथा है।
- घ. संभावना के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी ने उपयुक्त शीर्षकों में पाटन और क्षति की संभावना के संबंध में अनुरोधों की जांच की है।

पाटन मार्जिन और क्षति का जारी रहना और उसकी संभावना**पाटन का जारी रहना****च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**

31. जांच की प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य विरोधी हितवद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किया गया अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :
- i. यह कि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराया गया सामान्य मूल्य उचित नहीं है और उन्होंने अपने दावे की पुष्टि नहीं की है।
- ii. आवेदक घरेलू उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराये गये घरेलू उद्योग द्वारा दावा किये गये समायोजनों के अनुमान को भी किसी साक्ष्य द्वारा समर्थन नहीं दिया गया है। आवेदक घरेलू उत्पादकों ने अपने अनुमान को व्यक्त करने के लिए आंकड़ों के एक समुच्चय पर एकपक्षीय रूप से पहुंचा है।
- iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के संबंध में सामान्य मूल्य के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया है।
- iv. संबद्ध देशों से आयातों की कुल मात्रा बहुत कम है और यह मांग का बहुत कम अनुपात होता है।

32. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किया गया अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :
- घरेलू उद्योग ने जांच के दौरान जहां भी आवश्यक हुआ सभी अपेक्षित साक्ष्य उपलब्ध कराये हैं। इस कारण से, इन हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि कोई भी सूचना जिसे उपलब्ध कराया गया था गलत नहीं है और इसे अस्वीकार किये जाने की आवश्यकता है।
 - यह कि निर्यातकों का यह तर्क कि संबद्ध देशों से आयात बहुत कम मात्रा में हुआ है, संदर्भ से परे है क्योंकि निर्णायक समीक्षा जांच में, वर्तमान आयातों की कोई संगतता नहीं है।
 - यह कि प्राधिकारी को डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों से उत्पादक/ निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों की जांच इसकी सत्यता के लिए करनी चाहिए।
 - यह कि घरेलू उद्योग ने कानून के अंतर्गत यथाअपेक्षित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के लिए सभी साक्ष्य उपलब्ध कराये हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

33. धारा 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
- व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:
 - समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा
 - उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत,
34. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं जिसमें उन्हें सलाह दी गई कि वे निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराये। हालांकि, निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को छोड़कर, संबद्ध देशों के किसी भी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने अपनी प्रश्नावलियों का उत्तर प्रस्तुत कर इस जांच में सहयोग नहीं किया है।
- मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, आबू धाबी, यू. ए. ई. (अमीरात ग्लास और अमीरात फ्लोट ग्लास)
 - मैसर्स घनी ग्लास कंपनी, पाकिस्तान
 - मैसर्स तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि., पाकिस्तान
35. चूंकि उपर्युक्त कंपनियों ने प्रश्नावलियों का उत्तर प्रस्तुत किया है अतः प्राधिकारी ने इन उत्पादकों के लिए अलग अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अनुरोध की जांच की है और जहां भी उपयुक्त हुआ पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।
36. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों से सहयोग न प्राप्त होने पर प्राधिकारी ने इस करार के अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

37. तदनुसार, प्राधिकारी ने नीचे दिये गये अनुसार संबद्ध देशों के विभिन्न उत्पादकों/ निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

यू ए ई के उत्पादकों/ निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य

मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू. ए. ई.

38. अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी ने संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक एवं निर्यातक होने का दावा करते हुए निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। कंपनी ने सूचित किया है कि उन्होंने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सीधे भारत को किया है।
39. प्रस्तुत किये गये उत्तर से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने निर्यातक की प्रश्नावली के पत्र 4क और 4ख में अपनी घरेलू बिक्री के संबंध में सूचना दी है। उत्तर से यह भी नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने घरेलू बाजार में संबंधित पक्षकार को *** मी. ट. विभिन्न असंबंधित पक्षकारों को *** मी. ट. की बिक्री की है। इन आंकड़ों की छानबीन करने पर यह पाया गया था कि संबंधित पक्षकार जो विचाराधीन उत्पाद का प्रयोक्ता है, को कारखानागत बिक्री जांच की अवधि के दौरान असंबंधित पक्षकारों को की गई बिक्री के संबंध में बिक्री की तुलना में कम है। चूंकि कीमत में अंतर बहुत अधिक है अतः प्राधिकारी संबंधित पक्षकार को की गई बिक्री को बहुत अलग कीमत पर न की गई बिक्री के रूप में मानते हैं। उसको देखते हुए केवल घरेलू बाजार में असंबंधित पक्षकारों को बिक्री व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया के उद्देश्य से (ओ सी टी) लिया गया है।
40. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन की लागत के संबंध में घरेलू बिक्री लेन देन करते हुए लाभ का निर्धारण करने के लिए व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया पूरी की है। चूंकि लाभप्रद बिक्री 80 प्रतिशत से कम है अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण केवल लाभप्रद बिक्री कीमतों के आधार पर किया गया है।
41. कंपनी ने अंतर्देशीय हुलाई और ऋण लागत के आधार पर समायोजन का दावा किया है जिसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू ए ई के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

अन्य यू. ए. ई. निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

42. यह नोट किया जाता है कि यू ए ई के किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस प्रकार के अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

यू ए ई के उत्पादकों/ निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत

मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू. ए. ई.

43. यह नोट किया जाता है मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। ये सभी निर्यात सीधे भारतीय आयातकों को किये गये हैं।
44. वे समायोजन जिसका दावा किया गया है, समुद्री भाड़े, बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा, पार्ट और अन्य संबंधित खर्चों, बैंक शुल्कों और ऋण लागत के आधार पर किया गया है। इन समायोजनों के बाद निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

अन्य यू. ए. ई. निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

45. यह नोट किया जाता है कि यू ए ई के किसी अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस प्रकार के अन्य

उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है जिसका उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

सउदी अरब के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य

46. यह नोट किया जाता है कि सउदी अरब के किसी अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सभी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

सउदी अरब के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

47. यह नोट किया जाता है कि सउदी अरब के किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाकिस्तान से उत्पादकों / निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

मैसर्स घनी ग्लास लिमि.

48. मैसर्स घनी ग्लास लिमि. ने वर्तमान जांच में निर्यातक की प्रश्नावली प्रस्तुत की है। घनी ग्लास लिमि. द्वारा प्रस्तुत किये गये निर्यातक की प्रश्नावली से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया। जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के किसी वास्तविक निर्यात के अभाव में, प्राधिकारी निर्यात कीमत और कंपनी के लिए अलग अलग पाटन मार्जिन का भी निर्धारण करने की स्थिति में नहीं हैं। कंपनी का यह अनुरोध रहा है कि प्राधिकारी को तीसरे देशों को निर्यात कीमत अथवा पिछले वर्ष के दौरान भारत को कंपनी की निर्यात कीमत जैसे उपलब्ध तथ्यों पर कंपनी के लिए निर्यात कीमत तय करनी चाहिए। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि पाटन मार्जिन के निर्धारण के उद्देश्य से निर्यात कीमत को तय करना आवश्यक नहीं है क्योंकि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया। कंपनी द्वारा किये गये किसी वास्तविक निर्यात के अभाव में, अलग अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण कंपनी के लिए नहीं किया गया है।

मैसर्स तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि.

सामान्य मूल्य

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि. ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री और उत्पादन की लागत का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। घरेलू बाजार में सभी बिक्री सीधे स्वतंत्र ग्राहकों को की गई थी। तारिक ग्लास ने संबद्ध वस्तुओं के *** मी. ट. की कुल घरेलू बिक्री की सूचना दी है। दावा किये गये उत्पादन की लागत को स्वीकार कर लिया गया है। दावा किये गये उत्पादन की लागत के आधार पर, ओ सी टी जांच की गई है जो यह दर्शाती है कि 86 प्रतिशत बिक्री लाभप्रद है। तारिक ग्लास ने छूट, अंतर्देशीय दुलाई, ऋण लागत और पैकिंग शुल्क (जहां भी लागू हो) के आधार पर समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किये गये समायोजन की अनुमति दी है और तारिक ग्लास के संबंध में कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

निर्यात कीमत

50. निर्यातक की प्रश्नावली के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान, उत्पादक/ निर्यातक ने भारत में सीधे स्वतंत्र ग्राहकों को *** यू एस डॉलर के सकल बीजक मूल्य का भारत को संबद्ध वस्तुओं की *** मी. ट. निर्यात किया। उत्पादक/ निर्यातक ने अंतर्देशीय दुलाई और पोर्ट से संबंधित खर्चों के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा

किये गये अनुसार समायोजनों की अनुमति दी है और उत्पादक/ निर्यातक के संबंध में कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाकिस्तान से अन्य सभी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

51. यह नोट किया जाता है कि पाकिस्तान के किसी अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जिसकी गणना और उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाकिस्तान से अन्य सभी निर्यातकों/ उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य

52. यह नोट किया जाता है कि पाकिस्तान के किसी अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सहयोग नहीं किया है। इस प्रकार के असहयोग को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस प्रकार के अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है और जिसकी गणना और उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन

53. ऊपर में निर्धारण किये गये अनुसार संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य और निर्यात कीमतों पर विचार करते हुए, संबद्ध वस्तुओं के लिए संपूर्ण रूप में पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिये गये अनुसार किया गया है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है और महत्वपूर्ण है।

पाटन मार्जिन तालिका

देश	निर्यातक/ उत्पादक	सामान्य	निवल	पाटन मार्जिन		
		मूल्य	निर्यात			
			कीमत			
		(अम. डॉलर/ मी. ट.)	(अम. डॉलर/ मी. ट.)	(अम. डॉलर/ मी. ट.)	%	रेंज
यू ए ई	अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू ए ई	***	***	***	***	10-20
	अन्य	***	***	***	***	70- 80
पाकिस्तान	तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि.	***	***	***	***	0- 10
	अन्य	***	***	***	***	20- 30
सउदी अरब	सभी उत्पादक एवं निर्यातक	***	***	***	***	90-100

छ. घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना तथा क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

निर्यात करने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

54. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और संभावना से संबंधित अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया अनुरोध निम्नलिखित हैं :

- i. कि प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों की जांच करनी चाहिए क्योंकि इन आंकड़ों में विसंगतियां हैं।
- ii. कि संबद्ध देशों से आयातकों की मात्रा में स्वतंत्र रूप में तथा सापेक्ष रूप में गिरावट आई।
- iii. घरेलू उद्योग का माल भंडार मामूली है और ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि इससे घरेलू उद्योग को क्षति होती है। उसके अलावा, संबद्ध देशों से इस प्रकार के कम आयातों को घरेलू उद्योग के माल भंडार में किसी वृद्धि के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इस कारण से मात्रा संबंधी कोई प्रभाव नहीं है।
- iv. कि घरेलू उद्योग ने किसी कीमत ह्रास/ न्यूनीकरण का दावा नहीं किया है और इस कारण से इसका आशय यह है कि आयात घरेलू उद्योग के कीमत निर्धारण नीति में कोई भूमिका नहीं निभाता है।
- v. घरेलू उद्योग के उत्पादन में बहुत अधिक सुधार आया है और घरेलू उद्योग ने इस अवधि के दौरान अपनी संयंत्र क्षमता का बहुत अधिक रूप में विस्तार किया है। इस प्रकार से संबद्ध देशों से कथित पाटित आयातों के कारण इस कारक पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।
- vi. उत्पादन, उत्पादन क्षमता, बिक्री, रोजगार, उत्पादकता (प्रतिदिन तथा प्रति कर्मचारी) आदि में कोई स्पष्ट सुधार नहीं हुआ है। इस प्रकार से, क्षति का घरेलू उद्योग द्वारा किये गये दावे का कोई आधार नहीं है।
- vii. याचिकाकर्ता को कथित क्षति के लिए वास्तविक कारण संबद्ध देशों से पाटन नहीं है बल्कि मलेशिया से पाटन है।
- viii. यू ए ई से आयात के संबंध में, यह अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता इन आयातों को बढ़ाने के लिए विचाराधीन उत्पाद की सूची में भी क्लियर फ्लोट ग्लास की गैर विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न मोटाई को शामिल किया होगा और ऐसी संभावना है कि सूचित की गई कीमत भी विचाराधीन उत्पाद के लिए सही नहीं हो सकती है। निर्यातक ने इस मुद्दे का समाधान किये जाने की मांग की है।

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

55. वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किये गये क्षति संबंधी अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये अनुरोध निम्नलिखित हैं :

- i. कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से सतत् पाटन के कारण पहले से ही क्षति उठानी पड़ रही है और पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किये जाने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को तीव्र क्षति होगी। पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से संभवतः बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमतों पर बहुत अधिक ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा।
- ii. कम कीमत पर बिक्री और कीमत में कटौती सभी संबद्ध देशों के लिए (पाटनरोधी शुल्कों को जोड़े बिना) सकारात्मक है यह संबद्ध देशों से आयातों के क्षतिकारक प्रभाव को भी दर्शाता है।
- iii. हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में की आयातों की कम मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसका प्रभाव कम है यह अनुरोध किया जाता है कि निर्णायक समीक्षा में आयातों के वर्तमान स्तर की कोई

संगतता नहीं है और इस कारण से यह कहना सही नहीं होगा कि निम्न आयात किसी प्रकार की संभावना के न होने को प्रमाणित करता है। इसके अलावा, पहुंच मूल्य क्षतिकारक कीमत से बहुत कम है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है और इसके कारण क्षति हो सकती है। प्राधिकारी इस बात को महसूस कर सकते हैं कि किसी भी निर्यातक ने यह दावा नहीं किया गया है कि वे संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं कर रहे हैं। इस कारण से घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे उत्तर देने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये सभी दावों को कृपया अस्वीकार करें।

प्राधिकारी द्वारा जांच

56. कुछ हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में की निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के आंकड़ों की जांच करनी चाहिए, यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से सत्यापित सूचना का उपयोग किया है।
57. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :
"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"
58. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-॥ (iv) के अनुसार ऐसे सूचकांकों पर विचार किया है जिसका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार और मार्जिन आदि। यू ए ई के एक निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तुओं के आयात संबंधी आंकड़ों के सही होने के बारे में किये गये अनुरोधों के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि आयात संबंधी आंकड़ों की फिर से जांच डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त लेन देन वार आंकड़ों से की गई है और आयात के सही आंकड़ों का उल्लेख क्षति संबंधी विश्लेषण में किया गया है।
59. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस समीक्षा जांच की शुरुआत सउदी अरब, यू ए ई और पाकिस्तान से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की कथित संभावना और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति की जांच करने के लिए की गई है। इस तथ्य को देखते हुए कि ये वस्तु संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर लगातार आ रहे हैं और पाटित आयात किये गये वस्तुओं और समान घरेलू वस्तुओं के बीच परस्पर प्रतियोगिता की स्थितियां विद्यमान हैं, आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच करने के लिए उपयुक्त है। इस कारण से प्राधिकारी तदनुसार पाटित आयातों के प्रभावों की जांच करने की कार्यवाही करते हैं।
60. यहां नीचे किये गये क्षति संबंधी विश्लेषण वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये अनुरोधों का समाधान करता है।

क्षति के जारी रहने के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव

आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

61. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाटित आयातों में या तो स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। क्षति संबंधी विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से लिये गये आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण नीचे दिये गये अनुसार किया गया है :

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
सउदी अरब से आयात	मी. ट.	39,508	28,988	13,288	2,565
यू. ए. ई. से आयात	मी. ट.	4,291	3,669	3,472	4,337
पाकिस्तान से आयात	मी. ट.	845	2,065	914	760
संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	44644	34722	17674	7,662
अन्य देशों जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगता है से आयात	मी. ट.	78,124	119489	49450	27,372
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	24,071	62776	213155	241,599
कुल आयात	मी. ट.	1,46,839	216986	280280	276,634
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	7,99,041	815669	840805	893,088
अन्य घरेलू उत्पादों की बिक्री	मी. ट.	1,43,650	144500	201912	303,144
कुल घरेलू बिक्री	मी. ट.	9,42,691	960169	1042717	1,196,232
मांग	मी. ट.	10,89,530	1177155	1322997	1,472,866
मांग में हिस्सा					
संबद्ध देशों से आयात	%	4%	3%	1%	1%
अन्य देशों जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगता है से आयात	%	7%	10%	4%	2%
अन्य देशों द्वारा आयात	%	2%	5%	16%	16%
कुल आयात	%	13%	18%	21%	19%
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	73%	69%	64%	61%
अन्य घरेलू उत्पादों की बिक्री	%	13%	12%	15%	21%
मांग में कुल घरेलू बिक्री का हिस्सा	%	87%	82%	79%	81%

62. संबद्ध देशों से आयातों में गिरावट के कारण, संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भी समग्र आयातों की तुलना में गिरावट आई। उसी प्रकार से, कुल मांग में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में भी गिरावट आई है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख किया है कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा है अतः वर्तमान आयात की मात्रा उतनी संगत नहीं है बल्कि जो संगत है वह यह है कि पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना कितनी है।

आयातों का कीमत प्रभाव

63. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण अन्य प्रकार से कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक दबाव पड़ता अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्य प्रकार से काफी हद तक हुई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

कीमत में कटौती

64. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में इन आयातों के कारण कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना की है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
आयातों की पहुंच कीमत (पाटनरोधी शुल्क के बिना)					
पाकिस्तान	रु./ मी. ट.	22550	23783	19328	19495
सउदी अरब	रु./ मी. ट.	17037	17049	17631	16295
यू. ए. ई.	रु./ मी. ट.	20195	19289	20188	18703
संपूर्ण रूप में संबद्ध देश	रु./ मी. ट.	17445	17686	18221	17975
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./ मी. ट.	24246	24001	22734	21109
आयातों की पहुंच कीमत (पाटनरोधी शुल्क के सहित)					
पाकिस्तान	रु./ मी. ट.	25266	26581	22017	22346
सउदी अरब	रु./ मी. ट.	20878	21005	21433	20327
यू. ए. ई.	रु./ मी. ट.	25407	24658	25348	24173
संपूर्ण रूप में संबद्ध देश	रु./ मी. ट.	21396	21723	22232	22704
पाकिस्तान					
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रेंज	0-10	0-10	10-20	0-10
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रेंज	(5)-5	(10)-0	0-10	(10)-0
सउदी अरब					
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रेंज	40-50	40-50	20-30	20-30
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रेंज	10-20	10-20	0-10	0-10
यू ए ई					
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रेंज	20-30	20-30	10-20	10-20
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रेंज	(5)-5	(5)-5	(10)-0	(10)-(20)
संपूर्ण रूप में संबद्ध देश					
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रेंज	30-40	30-40	20-30	10-20
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	%	***	***	***	***
कीमत में कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रेंज	10-20	10-20	0-10	(10)-0

65. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य (पाटनरोधी शुल्कों के बिना) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम थी जो जांच की अवधि में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती को दर्शाता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया जाता है कि बिना पाटनरोधी शुल्क के पहुंच मूल्य भी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों की संभावित कीमत निर्धारण संबंधी व्यवहार को दर्शाता है। याचिकाकर्ताओं ने यह अनुरोध किया है कि यदि इन शुल्कों को आगे नहीं बढ़ाया जाता है तब घरेलू उद्योग बिना पाटनरोधी शुल्क के जो बहुत कम है, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य के बराबर करने के लिए बाध्य होगा।

और इस प्रकार से इन शुल्कों को नहीं बढ़ाये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ेगा।

कम कीमत पर बिक्री

66. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही कम कीमत पर बिक्री के कारण हानि की भी जांच की है जो नीचे दिये गये अनुसार है :

विवरण	इकाई	पाकिस्तान	सउदी अरब	यू. ए. ई	संबद्ध देश
क्षति रहित कीमत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
आयातों की पहुंच कीमत (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	19495	16295	18703	17975
आयातों की पहुंच कीमत (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रु./ मी. ट.	22346	20327	24173	22704
आयातों की पहुंच कीमत (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क के बिना)	रेंज	20-30	50-60	30-40	30-40
कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क सहित)	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क सहित)	रेंज	10-20	20-30	0-10	0 - 10

67. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री के कारण हानि हुई है। यह अनुरोध किया जाता है कि संबद्ध देशों से मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किये जाने की स्थिति में यह घरेलू उद्योग की संभावित स्थिति हो सकती है।

कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

68. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से की क्या पाटित आयातों का घरेलू कीमतों पर ह्रासकारी अथवा न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा है और क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुक जायेगी जो अन्य प्रकार से काफी हद तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। नीचे दी गई तालिका वास्तविक स्थिति को दर्शाती है :

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	95	96
बिक्री कीमत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	94	87
संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य	रु./ मी. ट.	17445	17686	18221	17975
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	103

69. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमतों में लागत में वृद्धि की तुलना में वृद्धि नहीं हुई है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि यद्यपि बिक्री की लागत कमोवेश वही रही है फिर भी घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमतों में बहुत अधिक गिरावट आई। उसी अवधि के दौरान, आयातों की पहुंच कीमतें सतत रूप से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की तुलना में कम रही है। तदनुसार, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतें कम हुई हैं और घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कीमत पर लगातार दबाव से हानि हो रही है।

ज. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

70. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है।
71. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी मानदंडों की चर्चा यहां नीचे की गई है :

- क. बाजार हिस्सा :** घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच नीचे की गई है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों में संबद्ध देशों से बहुत अधिक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि आयातों में गिरावट पाटनरोधी शुल्कों के कारण हुआ है और वे पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किये जाने की स्थिति में फिर से हो सकते हैं।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री – आवेदक	मी. ट.	799041	815669	840805	893088
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	143650	144500	201912	303144
कुल घरेलू बिक्री	मी. ट.	942691	960169	1042717	1196232
संबद्ध देशों से आयात	मी. ट.	44644	34722	17674	7713
उन देशों से आयात जिन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लग रहा है		78124	119489	49450	25868
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	24071	62776	213155	243439
कुल आयात	मी. ट.	146839	216986	280280	277020
कुल मांग	मी. ट.	1089530	1177155	1322996	1473252

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
प्रवृत्ति	मी. ट.	100	108	121	135
मांग में कुल घरेलू बिक्री का बाजार हिस्सा	%	86.52%	81.57%	78.81%	81.20%
मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा	%	4.10%	2.95%	1.34%	0.52%
मांग में उन देशों का बाजार हिस्सा जिन पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है	%	7.17%	10.15%	3.74%	1.76%
मांग में अन्य देशों का बाजार हिस्सा	%	2.21%	5.33%	16.11%	16.52%

ख. लाभप्रदता : नीचे दी गई तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की समग्र हानि में क्षति की जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है। वही प्रवृत्ति प्रति इकाई लाभप्रदता के संबंध में देखी जाती है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	105	112
बिक्री मूल्य	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	99	97
विक्रय कीमत प्रति इकाई	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	94	87
लागत (रु. लाख)	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	100	107
बिक्री की लागत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	95	96
प्रति इकाई लाभ/ हानि	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	84	10

यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के बाद, घरेलू उद्योग लाभप्रदता के संबंध में अपने कार्यनिष्पादन में सुधार लाने में सक्षम था। हालांकि, इसके कार्यनिष्पादन में 2016-17 के बाद फिर से गिरावट आनी शुरू हो गई और याचिकाकर्ता के लाभ पर जांच की अवधि के दौरान प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के जांच की अवधि में प्रतिकूल कार्यनिष्पादन इस तथ्य के कारण हुआ था कि उत्पादन की लागत में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग इन आयातों के कारण कीमत पर पड़े दबाव के कारण अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था।

- ग. **निवेश पर लाभ** : निवेश पर लाभ की वही प्रवृत्ति देखी गई है जो लाभप्रदता की रही है जिसे नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है और यह नोट किया जाता है कि निवेश पर लाभ में पूर्व के वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
लगाई गई पूंजी	रु/ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	98	112
लाभ	रु/ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	84	10
लगाई गई पूंजी पर लाभ %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	86	8

- घ. **उत्पादन और क्षमता उपयोग** : घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के विरुद्ध प्राधिकारी द्वारा दिये गये समय पर संरक्षण के कारण, घरेलू उद्योग मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता में वृद्धि करने में सक्षम था। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है जो काफी हद तक उत्पादन क्षमता में वृद्धि के कारण हुई है जो देश में बढ़ती हुई मांग को देखते हुए बढ़ रही है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग इस तथ्य के बावजूद उसी तरह पर रहा है कि जांच की अवधि के दौरान मांग में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। उसका व्यौरा नीचे दिया गया है :

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
क्षमता	मी. ट.	1411700	1408900	1440700	1715500
कुल उत्पादन	मी. ट.	1187674	1186379	1240049	1490825
विचाराधीन उत्पाद का ही उत्पादन	मी. ट.	893924	910076	960340	1077242
क्षमता का उपयोग (कुल उत्पादन)	%	84.13%	84.21%	86.07%	86.90%

- ङ. **बिक्री की मात्रा** : घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि मात्रा में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत 100 (सूचकांक) से घटकर 87 (सूचकांक) हो गया।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
बिक्री	मी. ट.	799041	815669	840805	893088
विक्रय कीमत प्रति इकाई	रु/ मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	94	87

- च. **माल भंडार** : संबद्ध वस्तुओं के माल भंडार से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गये हैं। नीचे दी गई तालिका से यह अनुरोध किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान औसत भंडार में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। माल भंडार में यह वृद्धि भी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाता है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
अंतिम भंडार	मी. ट.	51113	59186	84952	92921
उत्पादन	मी. ट.	893924	910076	960340	1077242
कार्य दिवसों की औसत संख्या	सं.	365	365	365	365
प्रतिदिन उत्पादन	मी. ट.	2449	2493	2631	2951
उत्पादन के दिवसों की संख्या के रूप में माल भंडार	सं.	21	24	32	31
उत्पादन के दिवसों की संख्या के रूप में माल भंडार	सूचीबद्ध	100	114	155	151

- छ. **रोजगार और मजदूरी** : रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति का उल्लेख नीचे दी गई तालिका में किया गया है। यह नोट किया जाता है कि रोजगार के स्तर में क्षमता में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी हुई है। उसी प्रकार से, उनको भुगतान की गई मजदूरी में भी जांच की अवधि के दौरान आर्थिक रूप से मामूली रूप में वृद्धि हुई है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
कर्मचारी	सं.	2722	2847	3201	3407
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	118	125
मजदूरी	लाख	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी मजदूरी	रु./ वर्ष	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	108	104

- ज. **उत्पादकता** : नीचे दी गई तालिका से यह नोट किया जाता है कि क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान उत्पादकता प्रायः स्थिर रही है। तदनुसार, उत्पादकता एक कारक नहीं है जिसे क्षति के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

विवरण	यू ओ एम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
कर्मचारी	सं.	2722	2847	3201	3407
कार्यदिवसों की औसत संख्या	दिन	365	365	365	365
मानक दिवसों की संख्या	मानक	993530	1039155	1168365	1243555
उत्पादकता	मी. ट. प्रति मानक दिवस	0.90	0.88	0.82	0.87
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	91	96

- झ. **पाटन का आकार** : पाटन का आकर उस सीमा तक एक संकेतक है जिस सीमा तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योगों को क्षति हो सकती है और यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है और महत्वपूर्ण है। प्राधिकारी ने इस बात का निर्धारण किया है कि सहयोगी निर्यातकों का पाटन मार्जिन बहुत अधिक रहना जारी है।
- ञ. **पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता** : यह दावा किया गया है कि इस क्षेत्र में भावी निवेश संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बाधित हुआ है। लाभप्रदता और निवेश पर लाभ में बहुत अधिक गिरावट यह दर्शाती है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था।
- ट. **घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक** : संबद्ध देशों से आयात कीमतों पर विचार करते हुए, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारकों जिनका घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से आयात की गई सामग्री का पहुंच मूल्य बिक्री कीमत से बहुत कम है जिसके कारण भारतीय बाजार में कीमत में बहुत अधिक कटौती हो रही है। यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में मलेशिया से वृद्धि हुई है जिसके लिए पाटनरोधी तथा सी वी डी जांच चल रही है। इस उत्पाद के लिए मांग वृद्धि को दर्शा रहा है और इस कारण से यह घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही कीमत ह्रास और न्यूनता के लिए जिम्मेदार एक कारक नहीं हो सकता है। इस प्रकार से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से पाटित वस्तुओं की कीमतें घरेलू उद्योग की ह्रास की हुई और न्यूनतम की हुई कीमतों के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक है।
- ठ. **विकास** : घरेलू उद्योग का विकास क्षति संबंधी अधिकांश मानदंडों के लिए नकारात्मक होना जारी है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क को सतत् रूप से लगाया जाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की प्रबल संभावना है।

ठ. **अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध**

72. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति, मात्रा और कीमत प्रभावों के मौजूद होने की जांच करने के बाद, इसकी कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास एवं न्यूनता संबंधी प्रभावों, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतक मानदंडों की जांच प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक का योगदान घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने में हो सकता था।

क. **तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें**

73. संबद्ध देशों और उन देशों जिन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लग रहा है को छोड़कर अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात मलेशिया को छोड़कर न्यूनतम से अधिक है। प्राधिकारी ने पहले ही मलेशिया के विरुद्ध पाटनरोधी तथा सब्सिडीरोधी जांच आरंभ की है।

ख. **मांग का संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

74. क्षति की पूरी अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में सतत् वृद्धि हुई है। इस कारण से मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।

ग. **व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

75. कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसका घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने में योगदान हो सकता था क्योंकि कच्चा माल तथा संबद्ध वस्तु इस देश में मुक्त रूप से आयात के योग्य हैं।

घ. घरेलू उद्योग का निर्यात कार्यनिष्पादन

76. क्षति का विश्लेषण प्राधिकारी द्वारा केवल उनके घरेलू प्रचालनों पर विचार करते हुए किया गया है। इस कारण से, निर्यात बाजार में कार्यनिष्पादन ने वर्तमान क्षति संबंधी विश्लेषण को प्रभावित नहीं किया है।

ङ. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

77. यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन और प्रतिदिन उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में आधार वर्ष से आंशिक रूप से कमी आई है।
78. इस प्रकार से यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को उनके कारण क्षति हो सकती थी। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने भी यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति अन्य ज्ञात कारकों के कारण हुई है।

क्षति मार्जिन

79. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य से तुलना की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है :

देश	निर्यातक/ उत्पादक	क्षति मार्जिन				
		पहुंच मूल्य	क्षति रहित कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	रेंज %
यू. ए. ई.	अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू. ए. ई	***	***	***	***	(0-10)
	अन्य	***	***	***	***	30-40
पाकिस्तान	तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
	अन्य	***	***	***	***	20-30
सउदी अरब	अन्य उत्पादक और निर्यातक	***	***	***	***	50-60

क्षति और कारणात्मक संबंध के जारी रहने के संबंध में निष्कर्ष

80. उपर्युक्त जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में हो रहे हैं यद्यपि उसकी मात्रा कम है। इस प्रकार के सभी स्रोतों से इन आयातों के कारण कीमत में ह्रास हो रहा है और इसकी कीमत में कमी आ रही है और इसका प्रभाव घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ रहा है। कम बिक्री मार्जिन भी संबद्ध देशों से अधिक माना गया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की वित्तीय हालत में उत्पादन और बिक्री में सुधार संबद्ध देशों के आयातों से कीमत प्रभावों के कारण होने के बावजूद गिरावट आई है। उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस

निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है और वह क्षति संबद्ध देशों सहित पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन अनेक देशों से आयातों के कारण हुई है।

ज. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

81. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पादों का स्पष्ट पाटन हुआ है। यद्यपि पाटन आयातों की मात्रा में गिरावट आई है फिर भी उनका पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम से अधिक है। यह अनुरोध किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का पाटन संबद्ध देशों से तीव्र होने की संभावना है यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है। इसने अन्य बातों के साथ साथ यह तर्क दिया है कि -

- क. कि घरेलू उद्योग को पहले से ही क्षति उठानी पड़ रही है और पाटनरोधी शुल्क को रद्द किये जाने से घरेलू उद्योग को और अधिक तेजी से क्षति होगी। पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने का संभवतः बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमतों पर न्यूनकारी और ह्रासकारी प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- ख. कि संबद्ध देशों में उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तुओं की विशाल क्षमताएं हैं। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की अतिरिक्त क्षमताओं के दावे की पुष्टि करने के लिए साक्ष्य भी प्रस्तुत किये हैं। घरेलू उद्योग के अनुरोध के अनुसार, संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की क्षमता नीचे दिये गये अनुसार है :

विवरण	क्षमता (मी. ट.)
सउदी अरब	
मैसर्स सउदी गार्जियन ग्लास	292000
मैसर्स ओबिकन ग्लास कंपनी	292000
मैसर्स अरेबियन यूनाइटेड फ्लोट ग्लास कंपनी	219000
संयुक्त अरब अमीरात	
मैसर्स आर ए के गार्जियन ग्लास	255500
मैसर्स अमीरात ग्लास	219000
पाकिस्तान	
मैसर्स तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमिटेड	109500
मैसर्स घनी ग्लास लिमिटेड	500000
संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों की कुल क्षमता	1887000
भारत में मांग	1473252
भारतीय मांग की प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों की क्षमता	128%

ग. उपर्युक्त से यह अनुरोध किया गया है कि संबद्ध देशों के पास भारतीय बाजार को अस्थिर करने के लिए पर्याप्त क्षमताएं हैं जिसे अगर भारत की ओर वर्तमान कीमतों पर परिवर्तित किया जाता है तब इस बात की पूरी संभावना है कि घरेलू उद्योग की स्थिति और अधिक खराब हो जायेगी। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार संयुक्त क्षमता और उत्पादन संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की स्थानीय बाजार मांग से बहुत अधिक है।

घ. इसके अलावा घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया जाता है कि यू ए ई से निर्यातकों के पास सउदी अरब में मौजूद अतिरिक्त क्षमता के कारण और कतर एवं इरान के साथ इस क्षेत्र में मौजूदा राजनीतिक मुद्दे के साथ अपने पड़ोसी देशों को संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने के लिए बहुत सीमित बाजार अवसर हैं। इसके अलावा, यू ए ई और सउदी अरब से निर्यातकों को अन्य देशों जैसे दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से पाटनरोधी

कार्यवाही का सामना भी करना पड़ रहा है। उपर्युक्त को देखते हुए और भारत में बढ़ती हुई मांग के साथ, भारतीय बाजार संबद्ध देशों से इन निर्यातकों के लिए उच्चतम निर्यात स्थान बना हुआ है।

- ड. अपने दावे की पुष्टि करने के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग ने आगे यह अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तुओं के अपने निर्यातों के लिए संबद्ध देशों की निर्यात संभावना के संबंध में आई टी सी व्यापार मैप से लिये गये आंकड़ों के अनुसार, भारतीय बाजार संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए आर्कषक स्थान बना हुआ है। उक्त आंकड़ों से, सउदी अरब, यू ए ई और पाकिस्तान के लिए भारतीय बाजार का स्थान क्रमशः 4, 2 और 2 है। ऐसे परिदृश्य में, मौजूदा शुल्कों को जारी रखना घरेलू उद्योग के पुनरुद्धार के लिए आवश्यक है।
- च. यह अनुरोध किया गया है कि अमीरात ग्लास द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रश्नावली के अनुसार, भारत और अन्य देशों को उत्पादन, बिक्री और निर्यात में गिरावट हुई है।

सूचीबद्ध	2015	2016	2017	2018	टिप्पणी
संस्थापित क्षमता	100	100	100	100	स्थिर
उत्पादन	100	98	95	98	गिरावट आई
घरेलू बिक्री मी. ट. में	100	106	100	90	गिरावट आई
भारत को निर्यात	100	34	55	74	गिरावट आई
अन्य देशों को निर्यात	100	90	79	66	गिरावट आई

उपर्युक्त से, यह अनुरोध किया गया है कि अन्य देशों जैसे दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील द्वारा पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के बाद भारत में निर्यात में पहले से ही 34 (सूचकांक) से 74 (सूचकांक) तक वृद्धि हुई है। यह स्पष्ट संकेत है कि यदि शुल्कों को समाप्त कर दिया जाता है तब यू ए ई से निर्यातक अपनी अतिरिक्त क्षमता के साथ भारतीय बाजार में बहुत अधिक मात्रा में निर्यात करेंगे और इसके साथ ही यह तथ्य कि अन्य बाजारों को अपने निर्यात में ऊपर में उल्लेख किये गये कारणों से बहुत अधिक मात्रा में कटौती की गई है। उसको देखते हुए, घरेलू उद्योग ने यू ए ई के निर्यातकों पर शुल्कों का समय विस्तार किये जाने का अनुरोध किया है।

- छ. कि कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री सभी संबद्ध देशों से सकारात्मक है, यह दर्शाता है कि यदि शुल्कों को समाप्त कर दिया जाये तब घरेलू उद्योग एक बार फिर संबद्ध देशों से दबाव के अंतर्गत आ जायेंगे और उनकी स्थिति बदतर हो जायेगी।
- ज. उसके अलावा यह भी अनुरोध किया गया है कि इन कंपनियों में से एक कंपनी अर्थात् मैसर्स द नेशनल कंपनी का ग्लास उद्योगों के लिए माल भंडार का स्तर 2015 से 2018 तक लगभग दुगुना हो गया है। यह तथ्य अपने आप में स्पष्ट रूप से यह सिद्ध करता है कि सउदी अरब में निर्यातकों के पास निष्क्रिय क्षमताएं हैं और निर्यात योग्य अतिरिक्त वस्तु हैं।
- झ. यह कि इस तथ्य के साथ साथ शुल्क को लगाये जाने के बाद आयातों में गिरावट आई है, पाटन मार्जिन अभी भी सकारात्मक है, शुल्क को वापस लिये जाने की स्थिति में पाटन की संभावना का स्पष्ट संकेत है।

82. उपर्युक्त को देखते हुए, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि जैसे ही शुल्कों को वापस लिया जाएगा पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की प्रत्येक संभावना है क्योंकि पाटनरोधी शुल्कों को वापस लिये जाने से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रखने के लिए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्माताओं/ निर्यातकों को निर्बाध पहुंच प्राप्त होगा।

प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण

83. घरेलू उद्योग ने निर्यात कीमत में पैकिंग और वाहनअंतरण लागत के उचित समायोजन के लिए अनुरोध किया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि विशेषकर संबद्ध वस्तुओं की प्रकृति को देखते अनावृत ग्लास का लगान करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। घरेलू उद्योग ने आगे प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि यदि लकड़ी के खुले बक्से भारत से वापस पाकिस्तान जा रहे हैं तब दुलाई और सीमा शुल्क प्रभारों की लागत का समायोजन करें।
84. ई एफ जी के इस अनुरोध के संबंध में कि विश्व को उनकी निर्यात कीमत भारत की कीमतों की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है, स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि निर्यातक ने भारतीय बाजार में आकर्षक बने रहने के लिए पाटन प्रथाओं को जारी रखा है। इसके अलावा, यदि शुल्कों को ई एफ जी से हटा दिया जाता है तब इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे पाटित और गैर लाभप्रद आयातों के साथ बहुत अधिक मात्रा में भारतीय बाजार में आयेगे।
85. घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के संबंध में, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि सभी संबद्ध देशों से सकारात्मक पाटन हुआ है और किसी भी सहयोगी निर्यातकों ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं कर रहे हैं। चूंकि शुल्कों के बावजूद पाटन जारी है और घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है इस बात की हरेक संभावना है कि यदि शुल्कों को संबद्ध देशों से रद्द कर दिया जाता है तब इस स्थिति में और अधिक तेजी आयेगी।
86. प्रकटन विवरण जारी किये जाने के बाद, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी ने अन्य मामलों जिसमें कुछ खर्चों का आवंटन उनकी प्रकृति के आधार पर उत्पादन अनुपात के आधार पर किया गया है प्राधिकारी के दृष्टिकोण के विपरीत बिक्री अनुपात में 'अन्य निर्माण ऊपरी शीर्ष' आवंटित किया है। उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वे प्रस्तावित कार्यपद्धति पर फिर से विचार करें तथा उनकी प्रकृति के आधार पर 'अन्य निर्माण ऊपरी शीर्ष' का आवंटन करें जैसा कि सतत् प्रथा है। उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वे अनुसंधान और विकास, अन्य प्रशासनिक खर्च और कारपोरेट खर्च से संबंधित खर्चों को सरसरी तौर पर अस्वीकार करने पर फिर से विचार करें।
87. घरेलू उद्योग और पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के मुद्दे पर, यह अनुरोध किया गया है कि सभी संबद्ध देशों से सकारात्मक पाटन हुआ है और किसी भी सहयोगी निर्यातकों ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं कर रहे हैं। चूंकि शुल्कों के बावजूद पाटन का होना जारी है और घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, इस बात की हरेक संभावना है कि जब इन शुल्कों को संबद्ध देशों से समाप्त कर दिया जायेगा तब यह स्थिति और तीव्र होगी।
88. घरेलू उद्योग ने आगे यह अनुरोध किया है कि खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के साथ और इस तथ्य के साथ कि सउदी अरब और इरान जैसे पड़ोसी देशों में व्याप्त क्षमताएं हैं, इस बात की हरेक संभावना है कि शुल्कों को समाप्त किये जाने की स्थिति में भारत में बढ़े हुए माल भंडार को परिवर्तित किया जायेगा।
89. घरेलू उद्योग ने इस तथ्य को दोहराया है कि बड़ा हुआ माल भंडार भारतीय बाजार में अपना रास्ता तलाश करेगा।
90. यह भी अनुरोध किया है कि ई एफ जी सहित यू ए ई से निर्यातकों को भारत को छोड़कर ब्राजील, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका से अनेक पाटनरोधी जांच का सामना करना पड़ रहा है। ये अनेक जांच स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि ई एफ जी सहित यू ए ई से उत्पादक आयात करने वाले देश में इस मांग पर कब्जा करने के लिए अपेक्षाकृत कम कीमतों पर अपनी वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं। यह आगे प्रमाणित करता है कि यदि शुल्कों को समाप्त कर दिया जाये तब बड़ा हुआ माल भंडार भारतीय बाजार में अपने रास्ते की तलाश करेगा। इसके अलावा, चूंकि भारत को वर्तमान कीमतें अन्य निर्यात बाजारों को उनकी कीमतों की तुलना में पहले से ही कम हैं, यह स्पष्ट है कि उक्त निर्यातक ने अपनी पाटन प्रथाओं से अलग नहीं रखा है।

91. ई पी जी से निर्यातकों और यू ए ई से अन्य निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार कि आकर्षकता के मुद्दे पर यह अनुरोध किया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में लगातार वृद्धि हो रही है जिससे विदेशी निर्यातकों के लिए भारत एक आकर्षक बाजार बन गया है। इसके अलावा, इस तथ्य के कारण कि यू ए ई को ब्राजील, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका से पाटनरोधी शुल्कों का सामना करना पड़ रहा है, भारतीय बाजार ई एफ जी और अन्य यू ए ई निर्यातकों के लिए आकर्षक बाजार बना हुआ है।
92. घरेलू उद्योग ने यू ए ई के लिए निर्यात की संभावना के संबंध में आई टी सी व्यापार मैप से लिये गये आंकड़ों पर विश्वास किया है। उन आंकड़ों के अनुसार भारत का स्थान संबद्ध वस्तुओं के यू ए ई के निर्यातकों के लिए संभावना के साथ सिर्फ बाजारों में दूसरा है और उसके साथ ही यह हमारे इस तथ्य की पुष्टि करता है कि भारत निर्यातकों के लिए संबद्ध वस्तुओं के वास्ते के आकर्षक बाजार है।
93. यह भी नोट करना महत्वपूर्ण है कि जैसे ही 200 प्रतिशत का शुल्क हटा लिया जाता है, पाकिस्तान से निर्यातक फिर से पाटन करना आरंभ कर देंगे और भारतीय बाजार में अपने हिस्से को फिर से प्राप्त करने के लिए गैर-लाभप्रद कीमतों पर अपने सामानों को भेजेंगे।
94. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि क्षतिरहित कीमतों की गणना में गणना संबंधी कुछ त्रुटियों के कारण क्षतिरहित कीमत में सुधार किया गया है। उन्होंने अपने दावे के ब्यौरे भी प्रस्तुत किये हैं।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

95. यह कि संबद्ध देशों से आयात इस देश में कुल आयातों और मांग का मामूली हिस्सा है। इस प्रकार की कम कीमतों पर आयातों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता है कि इनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
96. यह कि घरेलू उद्योग को मलेशिया से आयातों की कम कीमतों के कारण और न कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण क्षति हो रही है।
97. यह कि घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना को सिद्ध करने के लिए कोई वास्तविक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
98. यह कि घरेलू उद्योग का यह अनुरोध कि संबद्ध देशों से सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के पास बहुत अधिक अतिरिक्त क्षमता है, सही नहीं है।
99. यह कि मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास के पास कोई अधिक क्षमता नहीं है और यह कि वे अपनी क्षमता का 95-100 प्रतिशत पर कार्य कर रहे हैं। आगे यह अनुरोध किया गया है कि भारत में उनके निर्यातों में मजबूत घरेलू बाजार और तीसरे देशों को निर्यात के कारण गिरावट आई है। मैसर्स अमीरात फ्लोट ग्लास ने यह भी अनुरोध किया है कि अन्य देशों में उनके निर्यात भारत की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक कीमतों पर हुआ है। यह दर्शाता है कि अन्य देशों को निर्यात की गई मात्रा भारत की ओर परिवर्तित नहीं की जायेगी। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि भारत को निर्यात कीमत में तब भी गिरावट नहीं आई जब उत्पादन की लागत में गिरावट आई थी। इसके अलावा, उन्होंने भारत में अन्य निर्यातकों की कीमतों की बराबरी करने के लिए अपनी कीमतों में कमी भी नहीं की है।
100. यह कि पाकिस्तान से 200 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाये जाने के बाद, कोई आयात और उसके बाद घरेलू उद्योग को क्षति की कोई संभावना नहीं है। इस कारण से, पाकिस्तान को कोई शुल्क का समय विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए। मैसर्स घानी ग्लास लिमि., पाकिस्तान (उत्पादक और निर्यातक) ने यह भी अनुरोध किया है कि जी जी एल के क्षमता उपयोग में भी क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और जी जी एल घरेलू तथा तीसरे देश के बाजारों में अपनी कीमतों में पर्याप्त रूप से वृद्धि कर सकता था जो यह दर्शाता है कि जी जी एल पर क्षतिकारक कीमत पर किसी विशेष बाजार में माल को परिवर्तित करने का कोई मात्रा संबंधी दबाव नहीं है।

प्रकटन विवरण के बाद उत्पादकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

101. पाकिस्तान से आयातों में कलेंडर वर्ष 2018 (जांच की अवधि) में 2016-17 में 2065 मी. ट. से 760 मी. ट. तक क्षति की अवधि के दौरान स्वतंत्र रूप में गिरावट आई है। प्राधिकारी संबद्ध देशों से और विशेषकर पाकिस्तान से आयातों की मात्रा में गिरावट की प्रवृत्ति को देख पाने में असफल रहे हैं।
102. मात्रा, मूल्य आदि जैसे कुछ सूचनाओं में प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण जारी किये जाने के समय संशोधन किया गया है। हालांकि, एक बहुत संक्षिप्त अवधि प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकार के लिए उसके संबंध में फीडबैक दिये जाने के लिए उपलब्ध कराया गया है। आवश्यक तौर पर, तीन कार्यदिवस का समय इन हितबद्ध पक्षकारों को इस जांच की प्रक्रिया के दौरान सबसे पहली बार प्रस्तुत किये जा रहे आंकड़ों पर अपने दृष्टिकोणों का मिलान करने के लिए किया गया है।
103. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग लेने उत्पादकों/ निर्यातकों और पूर्व के मूल जांच में भाग लेने वाले उत्पादक/ निर्यातक अलग अलग हैं और प्राधिकारी को यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि कमतर शुल्क नियम पर आधारित अलग अलग मार्जिन उन पक्षकारों को दिया जाये जिन्होंने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग लिया है। प्राधिकारी केवल शुल्कों को “जारी” नहीं रख सकते हैं जैसा कि वर्तमान मामले में स्पष्ट तथ्यों और परिस्थितियों के कारण वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में तथा वर्तमान मामले में परिकलित अलग अलग मार्जिन का निर्धारण किया गया।
104. इन याचिकाकर्ताओं के विभिन्न लागत मानदंडों में एक स्पष्ट वृद्धि देखी गई और उनकी लाभप्रदता ने जांच की अवधि के दौरान क्षमता के विस्तार के कारण गिरावट देखी है। प्राधिकारी को इन याचिकाकर्ताओं की लाभप्रदता तथा इन याचिकाकर्ताओं की विभिन्न अलग अलग अन्य मानदंडों पर क्षमता के विस्तार के प्रभाव की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
105. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के बाद लाभप्रदता से संबंधित अपने कार्यनिष्पादन में सुधार लाने में सक्षम था लेकिन उस पर आयातों के कारण हुए कीमत दबाव के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ा था। प्राधिकारी को इस तथ्य का भी उल्लेख करना चाहिए कि किस प्रकार से इस कीमत मानदंड को संबद्ध आयातों से जोड़ा जा रहा है।
106. हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण के लिये अपनी टिप्पणियों में यह अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की कीमतों के द्वारा घरेलू कीमतों की कटौती का आकलन करने के लिए, प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्कों को जोड़े जाने के बाद आयात कीमतों की तुलना करनी चाहिए। यह अनेक मामलों में प्राधिकारी का दृष्टिकोण भी रहा है जहां कीमत में कटौती पर विचार इस प्रकार के आकलन के उद्देश्य से आयात कीमतों में पाटनरोधी शुल्क को जोड़ने के बाद किया गया था। यह भी जोड़ा गया है कि पाकिस्तान, यू.ए.ई और संपूर्ण रूप में संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में वर्तमान मामले में कीमत में नकारात्मक कटौती हुई है। इस कारण से, जांच की अवधि में जब कथित रूप से पाटित स्रोतों से कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों की तुलना में अधिक थी, यह स्पष्ट नहीं है कि किस प्रकार से उन्होंने कीमत ह्रास अथवा न्यूनता के रूप में अपनी कीमत को कम करने के लिए याचिकाकर्ता को मजबूर किया है।
107. यह अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी मलेशिया से पर्याप्त रूप से कम कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में आयातों के प्रभाव के संबंध में हमारे अनुरोधों पर विचार नहीं कर पाये हैं जो स्वीकार्य तौर पर पाटन और सब्सिडी दिये जाने के लिए जांच के अधीन है। यह भी कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं का बाजार हिस्सा 80 प्रतिशत तक है और इन याचिकाकर्ताओं की लाभप्रदता एवं निवेश पर लाभ दो कारणों (क) मलेशिया से कम कीमत पर बहुत अधिक मात्रा में आयात और (ख) हाल के वर्षों में इन याचिकाकर्ताओं द्वारा किये गये क्षमता विस्तार से प्रभावित होता हुआ प्रतीत होता है।
108. यह अनुरोध किया गया है कि पाकिस्तान से पाटन का आकार बहुत अधिक कम है। अंत में, पूंजी उगाहाने की क्षमता भी – जहां तक इन याचिकाकर्ताओं द्वारा लागू की गई अतिरिक्त क्षमताओं को नोट करने के बाद देखा जा सकता है – एक स्वस्थ प्रवृत्ति को दर्शाता है। इस प्रकार से, ऐसा प्रतीत होता है कि केवल कीमत संबंधी मानदंडों पर प्रभाव पड़ेगा और उनकी गिरावट कम कीमत पर और बहुत अधिक मात्रा में मलेशिया से आयातों के समय में ही होती है।

109. यह अनुरोध किया गया है कि फरवरी 2019 में भारत सरकार ने 1996 में सर्वाधिक तरजीह वाले देश (एम एफ एन) के दिये गये दर्जे को समाप्त किये जाने के ठीक एक दिन बाद तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान से आयात किये गये सभी वस्तुओं पर सीमा शुल्क में 200 प्रतिशत तक वृद्धि की। उन्होंने यह भी कहा है कि वर्तमान सीमा शुल्कों को देखते हुए, पाकिस्तान से किन्हीं आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के फिर से होने की कोई संभावना नहीं है।
110. इन याचिकाकर्ताओं द्वारा अतिरिक्त क्षमताओं के मौजूद होने के संबंध में उपलब्ध कराये गये आंकड़े सही नहीं हैं और उन्हें अस्वीकार किया ही जाना चाहिए।
111. याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तुओं की बढ़ती हुई आयात कीमतों की प्रवाह किये बिना अपनी बिक्री की लागत और अपनी बिक्री की कीमत में कमी है। इस कारण से, ऐसा प्रतीत होता है कि संबद्ध देशों की कीमत निर्धारण नीति इन याचिकाकर्ताओं की कीमत निर्धारण नीति को प्रभावित नहीं करता है। किसी भी स्थिति में, संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा बहुत कम है और इसका घरेलू उद्योग की कीमत निर्धारण पर प्रभाव नहीं पड़ सकता है।
112. इन याचिकाकर्ताओं ने पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना को दर्शाने के लिए जांच की अवधि के बाद के किन्हीं आंकड़ों को उपलब्ध नहीं कराया है। यद्यपि जांच की अवधि के बाद के आंकड़े कम से कम कलेंडर वर्ष 2019 की सभी तिमाही को आसानी से उपलब्ध कराया जा सकता था।
113. जांच की अवधि में सकारात्मक पाटन मार्जिन जांच की अवधि में पाटन और परिणामी क्षति को नहीं दर्शाता है। जांच की अवधि के बाद के आंकड़े भी यह दर्शाते हैं कि पाटन और क्षति की संभावना का अभाव रहा है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि ई एफ जी से सतत् निर्यातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि क्षति मार्जिन ई एफ जी द्वारा किये गये निर्यातों के संबंध में नकारात्मक है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि उनका पाटन मार्जिन उसका आधा है जो मूल जांच में था। पाटन मार्जिन में भी 35-45 प्रतिशत से शून्य तक कटौती की गई है। यह प्रामाणित करता है कि ई एफ जी पर मौजूदा शुल्कों को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है।
114. ई एफ जी से सतत् निर्यातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि क्षति मार्जिन ई एफ जी द्वारा किये गये निर्यातों के संबंध में नकारात्मक है। उसके बाद कोई कथित क्षति मलेशिया से सब्सिडी प्राप्त आयातों के कारण स्पष्ट रूप से हुई है और एक सी वी डी जांच मलेशिया के विरुद्ध चल रही है। इस प्रकार के अन्य कारकों के कारण क्षति के लिए ई एफ जी को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए।
115. मूल मामले में ई एफ जी द्वारा किये गये निर्यात की स्थिति में क्षति मार्जिन अंतिम जांच परिणाम के अनुसार 35-45 प्रतिशत था। वह वर्तमान प्रकटन विवरण के अनुसार नकारात्मक है। यह दर्शाता है कि विचाराधीन उत्पाद से भारत में ई एफ जी तक निर्यात के मामले में एक स्पष्ट परिवर्तन हुआ है और यह तथ्य बिना किसी अस्पष्टता के यह दर्शाता है कि ई एफ जी के संबंध में वर्तमान शुल्कों को जारी रखना न्यायोचित नहीं है।

पाटन और क्षति की संभावना के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

116. वर्तमान जांच संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा है। मौजूदा पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बारे में इन हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि निर्णायक समीक्षा जांच प्राथमिक रूप से संभावना का विश्लेषण करना है। नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने की संभावना का विश्लेषण करें। साथ ही यह नोट करना संगत है कि वर्तमान पाटन मार्जिन और क्षति पाटन और क्षति की संभावना का एक अच्छा संकेतक है कि शुल्कों को वापस लिये जाने की स्थिति में, घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने की संभावना होगी।
117. यह कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने तथा संबद्ध देशों से प्रत्येक सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन के बावजूद संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का सतत् पाटित आयात हुआ है और यह बहुत अधिक रहना जारी रहेगा। यह अपने आप में यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से भी संबद्ध वस्तुओं के पाटन की संभावना

- है। इसके अलावा, आयात घरेलू बिक्री कीमतों की तुलना में कम कीमतों पर हो रहा है जिसके फलस्वरूप कीमतों में कटौती हुई है। यह घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से आयातों के सतत् क्षतिकारक प्रभाव को दर्शाता है।
118. विभिन्न कारकों की जांच इस तथ्य का पता लगाने के लिए की गई है कि क्या क्षति की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है तथा क्या ऐसे परिदृश्य में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी रहेगा।
119. इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार और जांच के पश्चात यह नोट किया जाता है कि इस उत्पाद का निर्माण करने की व्यापक क्षमताएं संबद्ध देशों में मौजूद रहना जारी है और यद्यपि संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्राओं में पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के बाद गिरावट आई है, पाटनरोधी शुल्कों को जोड़े बिना उनकी कीमतों से घरेलू उद्योग को हानि होना जारी है जिसे इस प्रकटन विवरण में उपयुक्त शीर्षक में उदाहरण से स्पष्ट किया गया है और उसकी जांच की गई है। यू ए ई के सहयोगी उत्पादक और निर्यातक द्वारा किये गये अनुरोधों के संबंध में कि अन्य देशों में उनकी कीमतें भारत में निर्यात कीमतों की तुलना में अधिक हैं और क्षमता का बहुत अधिक उपयोग हुआ है और इस कारण से भारत में संबद्ध वस्तुओं को पाटित करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है। यह नोट किया जाता है कि भारत में मैसर्स अमीरात ग्लास के निर्यातों की मात्रा क्षति की अवधि के पिछले तीन वर्षों के दौरान बढ़ना जारी है और वे भारत में संबद्ध वस्तुओं को पाटित करना जारी रखे हुए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध में उत्पादकों और निर्यातकों के पास माल भंडार का उच्चस्तर होना जारी है और माल भंडार के बढ़े हुए स्तर संबद्ध देशों से शुल्कों को समाप्त किये जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में अपने रास्तों की तलाश कर सकते हैं।
120. सउदी अरब और यू ए ई से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर दक्षिण अफ्रीका और यू ए ई द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाये गये हैं। इस कारण से यह नोट किया जाता है कि भारत में शुल्क को समाप्त किये जाने से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के इन निर्यातकों को लाभ प्राप्त होगा और ये निर्यातक भारत में संबद्ध वस्तुओं को पाटित करना जारी रखेंगे और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाते रहेंगे।
121. लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात पाटित कीमतों पर होना जारी है और इन उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक होना जारी है। मैसर्स अमीरात ग्लास के अपवाद को छोड़कर संबद्ध देशों से सभी उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन सकारात्मक और अधिक होना जारी है।
122. रिकार्ड पर साक्ष्य यह दर्शाता है कि भारत संबद्ध देशों के लिए एक बड़ा निर्यात स्थान रहेगा और भारत में घरेलू उद्योग इस प्रकार के पाटित आयातों से गंभीर से असुरक्षित रहते हैं।
123. इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए भारतीय बाजार के पास इस उत्पाद के लिए एक मजबूत मांग होना जारी है जो सामान्य आर्थिक विकास के अनुरूप है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि इस बाजार में सतत् विकास के कारण, भारत मामूली लागत कीमत निर्धारण पर निर्यात करने के लिए अतिरिक्त क्षमता के साथ वैश्विक कंपनियों के लिए एक आकर्षक बाजार बना रहेगा। हालांकि, यदि इन शुल्कों को समाप्त कर दिया जाता है तब भारतीय बाजार बहुत अधिक आकर्षक हो जायेगा क्योंकि वे अपेक्षाकृत अधिक मात्राओं में बिक्री कर सकते हैं।
124. इस जांच में जुटाये आवश्यक तथ्य यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा और इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहा जिसे जांच की अवधि में और क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन से देखा जा सकता है। रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना भी यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों में अत्यधिक क्षमताएं हैं और सउदी अरब और यू ए ई से निर्यातकों पर दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से पाटनरोधी शुल्क लगता है। व्यापार अवरोधों के साथ साथ इस प्रकार की अधिक क्षमताओं के फलस्वरूप मौजूदा शुल्कों के समाप्त होने की स्थिति में भारत में पाटित कीमत पर निर्यातों के स्तर में वृद्धि हो सकती है।

प्रकटन विवरण के बाद प्राप्त टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

125. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये अधिकांश अनुरोधों को दोहराया गया है और उनकी जांच तथा उनका समाधान प्रकटन विवरण जारी किये जाने के समय और वर्तमान जांच परिणामों के पूर्ववर्ती हिस्सों में किया गया है। ये जांच परिणाम घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रकार के सभी तर्कों का निपटारा करता है। तथापि प्राधिकारी ने इन अनुरोधों की जांच संगत सीमा तक और किसी अन्य स्थान पर उसका समाधान न किये जाने की सीमा तक इसमें नीचे किया है :
126. घरेलू उद्योग द्वारा अपनी याचिका में प्रस्तुत किये गये आंकड़ों से कुछ घरेलू उद्योग के आंकड़ों में संशोधन के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की सत्यापित सूचना का उपयोग किया है। क्षति रहित कीमत संबंधी आंकड़ों को ठीक किये जाने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध के संबंध में, इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया गया है कि क्षति रहित कीमत की गणना करते समय, इन संख्याओं में क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय जोड़ने संबंधी त्रुटि थी। उसे विधिवत ठीक कर लिया गया है।
127. निर्यातकों द्वारा किये गये इस अनुरोध के संबंध में की प्रकटन टिप्पणियों के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच को पूरा करने के लिए अनुमति दिये गये समय अवधि को ध्यान में रखकर, प्रकटन पश्चात टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को तर्कसंगत और समुचित समय दिया गया था।
128. क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों के संबंध में, प्राधिकारी ने क्षति और क्षति की संभावना का एक आकलन करते समय उनके अलग अलग शीर्षकों के अंतर्गत यह विश्लेषण किया है।
129. हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में की घरेलू उद्योग को मलेशिया से पाटित और सब्सिडी प्राप्त आयातों के कारण हानि हो रही है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा जांच में कारणात्मक संबंध का विश्लेषण प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर बहुत कम महत्व के हैं। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने पहले ही प्रथम दृश्या साक्ष्य के आधार पर इस जांच की शुरुआत की है कि मलेशिया से निर्यातों को इस देश में पाटित किया जा रहा है। जहां तक इस निर्णायक समीक्षा का प्रश्न है, यह नोट किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से आयातों के कारण भी हानि हो रही है और यह आवश्यक नहीं है कि समग्र क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण होनी चाहिए। इसके अलावा, चूंकि सहयोगी निर्यातकों से आयातों की मात्रा संबद्ध देशों से कुल आयातों को नहीं दर्शाता है अतः इस प्रकार की मात्राओं के आधार पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से कम अथवा नगण्य मात्रा का संभावना के विश्लेषण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है जो पाटनरोधी शुल्कों का समय विस्तार दिये जाने के संबंध में निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्राथमिक आधार है।
130. इन अनुरोध के संबंध में की ई एफ जी, यू ए ई से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उचित कीमत की तुलना में अधिक है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ई एफ जी का जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक पाटन मार्जिन और नकारात्मक क्षति मार्जिन है। हालांकि, इस तथ्य को देखते हुए कि पाटन मार्जिन का यू ए ई से इस निर्यातक उत्पादक से बहुत अधिक होना जारी है और इसके साथ ही इस तथ्य को देखते हुए कि यू ए ई और सउदी अरब के निर्यातकों को भी अन्य देशों अर्थात् दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से पाटनरोधी कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है, ई एफ जी पर पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग पर क्षतिकारक प्रभाव के साथ पाटन को आगे जारी रखने की ठोस संभावना है।
131. निर्यातकों द्वारा किये गये इस अनुरोध के संबंध में की यह संभव नहीं है कि इन वस्तुओं पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में भारत की ओर परिवर्तित किया जायेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की पर्याप्त मांग, संबद्ध देशों में क्षमताओं और उनके निर्यात उन्मुखीकरण पर विचार करते हुए, पाटनरोधी शुल्कों को रद्द किये जाने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को सतत पाटन और परिणामी क्षति हो सकती है।

132. पाटनरोधी शुल्क जोड़े जाने के बाद पहुंच मूल्य के विश्लेषण के संबंध में, प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्कों के आपतन के साथ और उसके बिना दोनों स्थितियों में पहुंच मूल्य के प्रभाव का विश्लेषण किया है। यह भी नोट करना महत्वपूर्ण है कि पाटनरोधी शुल्क को जोड़े बिना पहुंच मूल्य संभावना के विश्लेषण के लिए संभावित कीमतों का एक अच्छा संकेतक है जो किसी निर्णायक समीक्षा जांच में बहुत अधिक महत्व रखता है।
133. संबद्ध देशों से आयातों को और घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी मानदंडों को जोड़ने के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुरोधों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है अतः वर्तमान आयातों की कोई बहुत अधिक संगतता नहीं है क्योंकि प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के संबंध में अपने जांच परिणामों का विश्लेषण करें और उसे रिकार्ड करें। इस कारण से यह दावा कि आयातों में गिरावट आई है का वर्तमान जांच के तथ्यों और परिस्थितियों में कोई प्रयोजन नहीं है।
134. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति तथा इसकी संभावना का आकलन सभी संबद्ध देशों के लिए यदि परिस्थितियां अन्य प्रकार से आवश्यक बनाती हो, संचयी रूप से किया जाना है। यह सच है कि पाकिस्तान से आयात बहुत कम हुआ है जो भारत द्वारा सर्वाधिक तरजीह वाला राष्ट्र का दर्जा वापस लिये जाने और 200 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाये जाने के कारण है। इस कारण से यह विश्लेषण उपलब्ध संगत आंकड़ों के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी इसे आवश्यक नहीं मानते हैं कि वे इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश के संबंध में क्षति अथवा संभावना का विश्लेषण करें।
135. जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि विशेषकर इस तथ्य को देखते हुए कि यदि शुल्कों को समाप्त कर दिया जाता है तब मौजूदा पाटन और क्षति के होने और पाटन तथा क्षति की संभावना को दर्शाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य है, पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना का विश्लेषण करने के लिए जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच करने के लिए प्राधिकारी के लिए कोई अनिवार्य आवश्यकता चाहे वह कानूनी अथवा अन्य प्रकार से हो, है।
136. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों का संज्ञान न लिये जाने के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि सतत् प्रथा के मामले और कानून के प्रावधानों की आवश्यकता के रूप में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी निश्चित रूप से इन सभी अनुरोधों को रिकार्ड करते हैं और उसका समाधान करते हैं जिसे यह इन जांचों में विश्लेषण और निर्णय के लिए संगत के रूप में मानते हैं। इस कारण से यह मान लेना पूर्ण रूप से सही नहीं होगा कि निर्यातकों के अनुरोधों का संज्ञान नहीं लिया गया है। इस अनुरोध के संबंध में की ई एफ जी से निर्यातकों से संदर्भ में कोई क्षति नहीं हुई है, यह नोट किया जाता है कि किसी भी कानूनी अथवा तार्किक आधार का उल्लेख नहीं किया गया है जो प्राधिकारी को किसी निर्यातकवार क्षति अथवा संभावना का विश्लेषण करने के लिए अधिदेश देता हो।
137. अलग अलग पाटन मार्जिन के लिए पाकिस्तान के निर्यातक (तारिक ग्लास) के दावे के संबंध में चूंकि वे मूल जांच का हिस्सा नहीं थे, यह नोट किया जाता है कि वे वर्तमान में शेष पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं यद्यपि उन्हें नई शिपर समीक्षा में अलग पाटनरोधी शुल्क दिया गया था, इस नई शिपर समीक्षा को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अमान्य ठहराया गया था। इस मामले के तथ्यों को देखते हुए, चूंकि वे मूल जांचों का हिस्सा नहीं थे, यह निर्णय लिया गया है कि उन्हें उनके उत्तर के आधार पर एक अलग मार्जिन दिया जाये।
138. हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध के संबंध में की प्राधिकारी निर्णायक समीक्षा में इन शुल्कों को संशोधित कर सकते हैं, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी का इन शुल्कों का समय विस्तार किये जाने और इसमें संशोधन करने का निर्णय प्रत्येक अलग अलग मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। वर्तमान जांच में यह नोट किया जाता है कि भाग लेने वाले निर्यातकों/ संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा संबद्ध देशों से किये गये कुल आयातों की तुलना में बहुत कम है जो ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य किसी तर्कसंगत एवं स्पष्ट कारक के अभाव में मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के कारण होता है। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की जांच करने के बाद, यह उपयुक्त माना जाता है कि केवल उन उत्पादकों और निर्यातकों जो मूल जांच का हिस्सा नहीं थे, को छोड़कर इस जांच के तथ्यों और परिस्थितियों में सभी संबद्ध देशों/ सभी निर्यातकों के लिए मौजूदा शुल्कों के लिए समय विस्तार दिया जाये। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा जांचों के अनुसरण में मौजूदा शुल्कों का जारी रहना नियम 23(1क) के संबंध में मौजूदा

शुल्कों की एक समीक्षा की मांग करने के लिए उन परिस्थितियों में निर्यातकों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता है जब उसमें उल्लिखित शर्तों को पूरा कर लिया गया हो।

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

139. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आमतौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं के कारण हुई क्षति को समाप्त करना है जिससे कि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो इस देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश/प्रक्षेत्र से आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा और इस कारण से यह उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।
140. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्मित उत्पाद के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और इसके फलस्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में निष्कर्ष प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी शुल्कों विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति का निवारण करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो, कम नहीं किया जायेगा। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जायेंगे, घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में गिरावट को रोका जायेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाये रखने में मदद मिलेगी।

अंतिम निष्कर्ष

141. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोधों तथा उनमें उठाये गये मुद्दों की जांच करने के बाद और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि -
- क. विचाराधीन उत्पाद का आयात भारत में संबद्ध देशों से इसकी संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है और इस प्रकार से इस उत्पाद का पाटन हुआ है।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं से पाटित आयातों के कारण लगातार क्षति उठानी पड़ी है।
- ग. रिकार्ड पर सूचना लागू पाटनरोधी शुल्क को इस चरण में समाप्त होने दिये जाने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने की संभावना को दर्शाता है।
- घ. रिकार्ड पर सूचना तथा विभिन्न पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध की जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण भारतीय घरेलू उद्योगों को क्षति होना जारी है।
- ङ. इसके अलावा, प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को इस चरण में समाप्त करने के फलस्वरूप पाटन जारी रहेगा और घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

ण. सिफारिशें

142. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह जांच आरंभ की गई कि और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना उपलब्ध कराने के लिए समुचित अवसर प्रदान किए गए थे।
143. इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद की पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध, पाटन और क्षति की संभावना के पहलू पर सकारात्मक साक्ष्य है, यदि मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त होने दिया जाता है तब प्राधिकारी का यह मत है कि शुल्क का जारी रहना इन सभी संबद्ध देशों के विरुद्ध अपेक्षित है।
144. इन परिस्थितियों में, निर्दिष्ट प्राधिकारी उन देशों जिन्होंने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांचों में भाग नहीं लिया है, को छोड़कर पाकिस्तान, सउदी अरब और यू.ए.ई. से संबंध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्कों की मौजूदा मात्रा की सिफारिश करना उपयुक्त मानते हैं। उन असहयोगी उत्पादक और निर्यातक को इस निर्णायक समीक्षा जांचों में मूल जांचों में यथानिर्धारित शेष शुल्क दिया गया है। पाकिस्तान के मामले में, तारिक ग्लास ने मूल जांचों

की जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया था। हालांकि, वर्तमान समीक्षा जांच में तारिक ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और सूचना उपलब्ध कराई है जिस पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है और अलग अलग पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, संबद्ध देशों से उत्तर देने वाले उत्पादकों और असहयोगी उत्पादकों के लिए पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश की जाती है और वे नीचे दी गई शुल्क तालिका के अनुसार हैं। इस प्रकार से प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं कि नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम सात के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर निश्चयात्मक संशोधित पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की जाये :

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण*	उत्पत्ति का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016,	4 मि. मी. से 12 मि. मी. (इसमें दोनों शामिल हैं) तक की बहुत मामूली मोटाई का क्लियर फ्लोट ग्लास जिसकी मामूली मोटाई बी आई एस 14900:2000 के अनुसार हो	सउदी अरब	सउदी अरब	कोई भी	165.07	मी. ट.	अम. डॉलर
2	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	सउदी अरब	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	कोई भी	165.07	मी. ट.	अम. डॉलर
3	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	सउदी अरब	कोई भी	165.07	मी. ट.	अम. डॉलर
4	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	अमीरात फ्लोट ग्लास एल एल सी, यू ए ई	79.00	मी. ट.	अम. डॉलर

5	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	उपर्युक्त क्रम सं. 4 पर दिये गये कंपनी को छोड़कर कोई अन्य कंपनी	111.15	मी. ट.	अम. डॉलर
6	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	कोई भी	111.15	मी. ट.	अम. डॉलर
8	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई)	कोई भी	111.15	मी. ट.	अम. डॉलर
9	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	पाकिस्तान	पाकिस्तान	घनी ग्लास लिमि.	82.34	मी. ट.	अम. डॉलर
10	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	पाकिस्तान	पाकिस्तान	तारिक ग्लास इंडस्ट्रीज लिमि.	25.59	मी. ट.	अम. डॉलर
11	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	पाकिस्तान	पाकिस्तान	उपर्युक्त क्रम सं. 9 और 10 पर दिये गये कंपनी को छोड़कर कोई अन्य कंपनी	123.61	मी. ट.	अम. डॉलर

12	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	पाकिस्तान	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	कोई भी	123.61	मी. ट.	अम. डॉलर
13	- उपरोक्त -	- उपरोक्त -	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई देश	पाकिस्तान	कोई भी	123.61	मी. ट.	अम. डॉलर

टिप्पणी * : हरा ग्लास और पारगमन ग्लास सहित परावर्तक ग्लास और टिनटेड ग्लास को उपर्युक्त शुल्क तालिका में वस्तुओं के विवरण में शामिल नहीं किया गया है।

145. इस अधिसूचना के उद्देश्य से आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत निर्धारित किए गए अनुसार आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल हैं।
146. इस अंतिम जांच परिणाम के फलस्वरूप निकलने वाले केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जायेगी।

सुनील कुमार, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 7th November, 2019
(Final Findings)

Subject: Sunset Review (SSR) anti-dumping investigation concerning imports of Clear Float Glass originating in or exported from Pakistan, Saudi Arabia and United Arab Emirates (UAE).

F. No. 7/3/2019-DGTR .—Whereas having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof, on the basis of the duly substantiated application filed on behalf of the domestic producers of clear float glass in India and in accordance with section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Designated Authority in the Ministry of Commerce and Industry, Department of Commerce, Govt. of India, appointed under the Rules supra, (hereinafter referred to as “the Authority”), initiated a sunset- review investigation, vide Notification No. 7/3/2019-DGTR dated 1.5.2019, to examine whether the expiry of the duty in force on import of Clear Float Glass originating in or exported from Pakistan, Saudi Arabia and UAE, is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

Background of The Case

1. Having regard to the above Act and Rules the Designated Authority had, vide Notification No. 14/25/2012 DGAD dated 11.4.2013 initiated the investigation. The Authority vide its final findings No.14/25/2012-DGAD dated 10.10.2014, recommended imposition of anti-dumping duties against dumped imports of the subject goods from Pakistan, Saudi Arabia and United Arab Emirates (subject countries). Duties were imposed by the Central Government vide Customs Notification No. 48/2014- Customs (ADD) dated 11.12.2014.

2. Further, M/s Tariq Glass Industries Ltd, Pakistan filed an application for New Shipper Review for the determination of individual dumping margin of the goods exported by it. The Authority initiated the New Shipper Review under Rule 22 of the AD Rules vide Notification F. No. 15/16/2015-DGAD dated 23.9.2015. Further, the final findings were issued on 10.4.2017 determining the individual dumping margin of USD 23.54 per MT for the said exporter. However, the said final findings were quashed by Hon'ble High Court of Madras in the matter of M/s Tariq Glass Industries vs. M/s Saint Gobian India Pvt. Ltd. order dated 27.6.2019.
3. Whereas in terms of Section 9A (5) of the Customs Tariff Act 1995 as amended, the anti-dumping-duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
4. Before expiry of the said duty, domestic producers constituting M/s Saint-Gobain India Pvt. Ltd., M/s Sisecam Flat Glass India Ltd. and M/s Gold Plus Glass Industry Limited, filed a duly substantiated application in March 2019 before the Authority, on behalf of the domestic industry, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the above goods, originating in or exported from subject countries and consequent injury to the domestic industry in the event of cessation of duty, and requested for a review of the same for continuation and enhancement of the anti-dumping duties imposed on the imports of "Clear Float Glass", originating in or exported from the subject countries.
5. On the basis of duly substantiated application filed by the domestic industry, Authority vide Notification No. 7/3/2019-DGTR, dated 1.5.2019, initiated a sunset review of the antidumping duty in force on import of "Clear Float Glass", originating in or exported from Pakistan, Saudi Arabia and UAE to examine whether the expiry of the duty in force is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
6. The scope of the present review covers all aspects of the original investigation concerning imports of the above goods, originating in or exported from the subject countries

PROCEDURE

7. The following procedure has been followed with regard to this investigation:
 - i. The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - ii. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - iii. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known manufacturers/exporters in the subject countries whose names and addresses were made available to the Authority in accordance to the Rule 6(4):
 - a. M/s Ghani Glass Limited, Pakistan
 - b. M/s Tariq Glass Company, Pakistan
 - c. M/s Emirates Float Glass LLC, UAE
 - d. M/s Obeikan Glass Company, Saudi Arabia
 - iv. Response to the questionnaire was filed by the following:
 - a. M/s Emirates Float Glass LLC, UAE,
 - b. M/s Ghani Glass Limited, Pakistan
 - c. M/s Tariq Glass Company, Pakistan
 - v. Importer's questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules :
 - a) M/s Atlantic Trading – Mumbai
 - b) M/s Kanch Ghar – Mumbai
 - c) M/s Fishfa Glass – Mumbai
 - d) M/s Samarth Industries – Mumbai

- e) M/s Prashanth Trading – Mumbai
- f) M/s Asmi Traders – Mumbai
- g) M/s Rajat Glass Traders – Karad
- h) M/s Chandan Glass Traders – Pune
- i) M/s Kochhar Glass Traders – Bhopal
- j) M/s Ganeriwala Brothers Pvt Ltd – Kolkata
- k) M/s Sure Safe Group/ Ganeriwala Glass Traders- Kolkata
- l) M/s M S Glass Traders- Kolkata
- m) M/s Glaze Architecture Pvt Ltd- Kolkata
- n) M/s Glaze Infrastructure P Ltd.- Kolkata
- o) M/s Saraf Glass P Ltd- Kolkata
- p) M/s GSC, Noida
- q) M/s Shiv Shakti, Roorkee
- r) M/s Ridhi Sidhi, Jaipur
- s) M/s Banaras Glass, Lucknow (Globe India)
- t) M/s T. L. Verma, Chandigarh
- u) M/s Jagdamba Glass, Delhi
- v) M/s Sheesh Mahal Tuff, Rohtak
- w) M/s Nutan Glass Hs(P) Ltd, Bangalore
- x) Mahaveer Glass Hs, Bangalore
- y) M/s Karnataka Metal Company, Bangalore
- z) M/s Impact Safety Glass (P) Ltd, Bangalore
- aa) M/s Southern Auto Products (P) Ltd, Bangalore
- bb) M/s Tough Glass India, Bangalore
- cc) M/s Yesho Float Glass (P) Ltd, Hyderabad
- dd) M/s Bhandari Glass Co, Hyderabad
- ee) M/s Prakash Glass, Hyderabad
- ff) M/s Mahaveer Glass, Chennai/Navakar/Mahaveer Mirror, Vishakhapatnam
- gg) M/s Uma Industries, Bangalore
- hh) M/s Jai Mirror Industries, Chenna
- vi. None of the above-mentioned importers / users have responded during the course of the investigation.
- vii. The Authority made available non-confidential version (NCV) of the evidence presented by domestic industry through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7) of AD Rules, 1995.
- viii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods for the period of investigation and preceding three years and the same was obtained and relied upon.
- ix. The non-injurious price (NIP) has been worked out based on the information furnished by the domestic industry on its cost of production and cost to make and sell the subject goods in India and in the light of the guidelines outlined in Annexure III to the AD Rules.
- x. On the spot verification of the information provided by the petitioners as well as the producers/exporters of the subject countries were conducted to the extent considered relevant by the Authority.
- xi. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all the interested parties to present their views orally in an Oral Hearing held on 7.8.2019. Parties which participated in the Oral Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally.

- xii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has used "best information available" and has treated such parties as non-cooperative.
- xiii. In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 22nd October, 2019 and comments were received from the following interested parties
 - 1. Domestic industry
 - 2. M/s Tariq Glass Industries Ltd, Pakistan.
 - 3. M/s Ghani Glass Limited, Pakistan
 - 4. M/s Emirates Float Glass LLC, UAE
- xiv. Comments received on the same to the extent being relevant to the investigation has been considered in Final Findings.
- xv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by domestic industry through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xvi. For the purpose of this investigation the period under investigation was 1.1.2018 to 31.12.2018 and for the purpose of injury investigation data for the period 2015-16, 2016-17, 2017-18 and the POI has been considered.
- xvii. *** in this final findings represents information furnished by the interested parties on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 69.24

Product under Consideration (PUC) and Like Article

- 8. The product under consideration (PUC) for the purpose of present investigation was defined as "Clear Float Glass of nominal thicknesses ranging from 4mm to 12mm (both inclusive)", the nominal thickness being as per BIS14900:2000, originating in or exported from Pakistan, Saudi Arabia and UAE.
- 9. Clear Float Glass is used in construction, refrigeration, mirror, solar energy industries etc. The product is a superior quality of glass. Due to its inherent strength, high optical clarity, distortion free smooth surface etc., the applications of the product have been increasing for different purposes
- 10. Float Glass is classified under Chapter Heading 70 "Glass and glassware". However, the subject goods are also being imported under tariff sub-headings 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 and 7020. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 11. No submission has been made by the producers/exporters with regard to the scope of the product under consideration and like article.

Views of the Domestic Industry

- 12. The product under consideration (PUC) for the purpose of present investigation is "Clear Float Glass of nominal thicknesses ranging from 4mm to 12mm (both inclusive)", the nominal thickness being as per BIS14900:2000.
- 13. Clear Float Glass is used in construction, refrigeration, mirror and solar energy industries etc. The product is a superior quality of glass. Due to its inherent strength, high optical clarity, distortion free smooth surface etc., the applications of the product have been increasing for different purposes.
- 14. Float Glass is classified under Chapter Heading 70 "Glass and glassware". However, the subject goods are also being imported under tariff headings 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 and 7020. It is also submitted that the custom classification is indicative only and in no way binding upon the product scope of the Customs Tariff Act, 1975.
- 15. There is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The applicants have claimed that the subject goods, which are being

dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods and the product under consideration manufactured by the applicants. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Rules.

Examination of the Authority

16. The product under consideration for the purpose of present investigation is "Clear Float Glass of nominal thicknesses ranging from 4mm to 12mm (both inclusive)", the nominal thickness being as per BIS14900:2000 (hereinafter referred to as the "subject goods").
17. Clear Float Glass is used in construction, refrigeration, mirror and solar energy industries etc. The product is a superior quality of glass. Due to its inherent strength, high optical clarity, distortion free smooth surface, etc., the applications of the product have been increasing for different purposes and classified under Chapter Heading 70 "Glass and glassware". The classification at the 8-digit level is 70051090 even though the same are being classified and imported under various sub-headings like 7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019 and 7020 etc. The custom classification is indicative only and in no way binding upon the product scope of the Customs Tariff Act, 1975.
18. As regards the submission that the reflective glass, light green glass, green glass and transition glass should be specifically excluded from the purview of the product under consideration, the Authority notes that the PUC has been defined in the present investigation as "Clear Float Glass of nominal thicknesses ranging from 4mm to 12mm (both inclusive)", the nominal thickness being as per BIS14900:2000 (hereinafter referred to as the "subject goods")" and as such does not include the said products.
19. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

20. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject countries. Product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject countries within the scope and meaning of Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules.
21. No other argument has been made by any interested party on the product under consideration and like article issue. The Authority therefore, confirms that the scope of the product under consideration in the present review remains the same as that of the original investigation.

Domestic Industry and Standing

22. The current application for the sunset review has been filed by M/s Saint-Gobain Glass India Ltd., M/s Sisecam Flat Glass India Ltd., and M/s Gold Plus Glass Industry Ltd. who collectively command 73% share in Indian production of the subject goods during the period of investigation. As per the information available with the Authority there are two other known producers of the product under consideration in the country i.e., M/s Asahi India Glass Ltd and M/s Gujarat Guardian Ltd. It is also noted that both the companies have neither supported nor opposed the extension of the duties.
23. As per the available information, the petitioners have neither imported the subject goods from the subject countries nor are they related to any other producer/exporter of subject goods in the subject countries or any importer in India. Further, the petitioners account for a major proportion in Indian production of the subject goods.
24. In view of the above and since none of the interested parties have made any submissions in relation to standing of the Domestic Industry, the Authority has considered the petitioners as Domestic Industry within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5.

Confidentiality

Submissions made by exporters/importers and other interested parties

25. The exporters/importers and other interested parties have claimed that the responses filed by them are as per the Trade notice and the exporters have filed their response duly complying with that. It is further claimed that they have filed the exact replica of the confidential version in the non-confidential version. Therefore, allegation of the Domestic Industry that they have not filed the proper non-confidential version is incorrect.

Submissions made by the domestic industry

26. Various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality claims of the exporters/importers and other interested parties are as follows:
- Excessive confidentiality has been claimed by the exporters in as much as the non-confidential versions of the questionnaire response were not the exact replica of the confidential version filed by the exporters as required under the Rules and the instructions on the issue.
 - Further, the Petitioners have claimed that as far as their submissions are concerned, confidentiality has been claimed in accordance with the provisions of Rule 7 of the Anti-dumping Rules and the Trade Notices issued in this regard. Therefore, the claims of interested parties that the petitioner has claimed excessive confidentiality, are baseless.

Examination by the Authority

27. Various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality, to the extent considered relevant by the Authority, are examined and addressed as follows:

- i. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The Designated Authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

- ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of a public file.

Miscellaneous Submissions**Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties**

28. The miscellaneous submissions made by the exporters / importers and other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- There are several inaccuracies in the petition and the exporters have requested the Authority to check the claims made by the Domestic Industry.
 - The allegations of injury in the POI on account of imports from subject countries are totally unsubstantiated and the DI resorted to misrepresentation of facts while making such allegation of continued injury.
 - It is submitted that cooperating UAE producer has not exported to Brazil and only small quantities to South Africa in the POI and in the same period the company was operating at a utilization close to 100%. This shows that Brazil or South Africa have never been a key market for Emirates Float Glass and any trade restrictive measures by such countries is not going to lead to any availability of additional exportable volume with the exporter.

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties after the disclosure statement

- iv. The Authority cannot simply continue Notification No. 47/2015-Customs (ADD) dated 8 September 2015, since Tariq Glass was not an exporter at the time of the original investigation. It is submitted that individual margins must be assigned to those parties which have participated in the present sunset review investigation and not only to those who had participated in the original investigation.

Views of the Domestic Industry

29. The miscellaneous submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- The information provided in the petition is correct and shows no discrepancy as claimed by the interested parties. Further, the domestic industry has followed all the procedures prescribed in the Rules.
 - Producers of Saudi Arabia and UAE are facing anti-dumping measures in Brazil and South Africa. It shows the pressure on exporters from subject countries

Submissions made by domestic industry after the disclosure statement

- The domestic industry has raised the issue of packing cost adjustments in determination of net export price and landed value of subject goods exported from Tariq Glass Industries Ltd, Pakistan. They have stated that these adjustments are required as considering the nature of subject goods, and transshipment involved, packing is required in wooden cases and these costs should be taken into account by the Authority.

Examination by Authority

30. Various miscellaneous issues raised by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are examined herein below:
- As regards the argument of the opposing interested parties that the petition is deficient and, therefore, the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of prima facie evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and likelihood of dumping and injury to justify initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. After the initiation, the Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
 - With regard to the adjustment for packing cost for exports to India from export price of Tariq Glass, it is noted that M/s Tariq Glass has exported the subject goods in loose form to India (without wooden pallets), and thus the same has been accepted for the computation of net export price and landed value. Further, Tariq Glass has also sold the subject goods in loose form in the domestic market also. The Authority has granted adjustment for packing cost for computing the normal value for those transactions where subject goods are sold in packed form.
 - With regard to the submission of Domestic Industry that Tariq Glass cannot be granted individual rate of duty in view of order of Madras High Court, the Authority notes that order of Madras High Court is only applicable for Findings of Authority issued in New Shipper Review. Decision of Madras High Court does not bar Tariq Glass in participating in subsequent investigations. Further, it is the consistent practice of the Authority to grant individual rate of duty to producer/exporter who fully cooperate with the Authority during the course of investigation.
 - As regards issue of likelihood, the Authority has examined the submissions relating to likelihood of dumping and injury in the appropriate headings.

Continuation and likelihood of dumping and injury**Continuation of Dumping****Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

31. The submissions concerning normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other opposing interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows.
- That the normal value provided by the Domestic Industry is not proper and they have not substantiated their claim.
 - The estimate of adjustments claimed by the Domestic Industry provided by applicant domestic producers is also not supported by any evidence. The applicant domestic producers have arbitrarily arrived at a set of figures to express its estimation.

- iii. The Designated Authority has also not followed the prescribed procedure with regard to Normal Value in terms of Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.
 - iv. Total quantum of imports from subject countries is very less and constitutes miniscule proportion of demand.
32. The submissions made by the domestic industry concerning normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows :
- i. The Domestic Industry has provided all the evidences required during the investigation wherever required. Therefore, the contention of the interested parties that no information was provided is wrong and needs to be rejected.
 - ii. That the argument of the exporters that imports from subject countries are miniscule is out of context, as in a sunset review investigation, current imports are of no relevance.
 - iii. That the Authority should check the data filed by producer / exporter from DGCI&S data for its correctness.
 - iv. That the Domestic Industry has provided all the evidences for normal value and export price as required under the law.

Examination by the Authority

33. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
 - (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
34. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring the following producers and exporters, none of the other producers/exporters from subject countries has cooperated in this investigation by filing their Questionnaires' responses.
- i. M/s Emirates Float Glass LLC, Abu Dhabi, UAE (Emirates Glass or Emirates float glass).
 - ii. M/s Ghani Glass Company, Pakistan.
 - iii. M/s Tariq Glass Industries Ltd., Pakistan
35. Since the above mentioned companies have filed the questionnaire responses, the Authority has examined the request for determination of individual dumping margin for these producers and have determined dumping margins wherever appropriate.
36. In the absence of cooperation from the other producers/exporters in the subject countries, the Authority has determined the normal value, on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.
37. Accordingly, the Authority has determined the normal value, export price and dumping margin in respect of various producers/exporters of the subject countries as follows:

Normal Value in case of Producers/Exporters from UAE**M/s Emirates Float Glass LLC, UAE**

38. Emirates Float Glass LLC has submitted the Exporters' Questionnaire Response claiming to be a producer cum exporter of subject goods. The company has informed that they have exported the subject goods directly to India.
39. It is noted from the response filed that they have given information pertaining to their domestic sales in the format 4A and 4B of the exporter's questionnaire. It is also noted from the response that during the POI the company has sold *** MT to a related party in domestic market and *** MT to various unrelated parties. On scrutiny of the data it was found that Ex-factory sales to related party who is a user of PUC are lower as compared to sales to unrelated parties during the POI. Since the difference in price is significant, the Authority treats the sales to related party as not at Arm's length price. In view of the same, only sales to unrelated parties in domestic market are taken in for the purpose of ordinary course of trade test (OCT).
40. In order to determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. As the profitable sales are less than 80%, normal value has been determined based on only profitable selling prices.
41. The company has claimed adjustments on account of inland transportation and credit cost, which have been allowed. Accordingly, normal value for M/s Emirates Float Glass LLC, UAE, has been determined and is mentioned in the dumping margin table.

Normal Value for Other UAE exporters

42. It is noted that no other producers/exporters from UAE have cooperated in the present sunset review investigation. In view of such non-cooperation, the Authority has determined Normal Value for such other producers/exporters based on facts available and the same is mentioned in the dumping margin table.

Export Price in case of Producers/exporters from UAE**M/s Emirates Float Glass LLC, UAE**

43. It is noted that M/s Emirates Float Glass LLC, has exported *** MT of PUC to India during the POI. All these exports are made directly to the Indian importers.
44. Adjustments have been made as claimed on account of ocean freight, insurance, inland freight, port and other related expenses, Bank charges and Credit cost. The net export price after these adjustments has been determined and is mentioned in the dumping margin table.

Export Price for Other UAE exporters

45. It is noted that no other producers/exporters from UAE have cooperated in the present sunset review investigation. In view of such non-cooperation, the Authority has determined export price for such other producers/exporters based on facts available which is mentioned in the dumping margin table.

Normal Value in case of All Producers and exporters from Saudi Arabia

46. It is noted that no producers/exporters from Saudi Arabia have cooperated in the present sunset review investigation. In view of non-cooperation, the Authority has determined Normal Value for all producers/exporters based on facts available in terms of 6(8) of the Antidumping Rules and the same is mentioned in the dumping margin table.

Export Price for all producers and Exporters from Saudi Arabia

47. It is noted that no producers/exporters from Saudi Arabia have cooperated in the present sunset review investigation. In view of such non-cooperation, the Authority has determined Net Export Price for producers/exporters based on facts available and the same is mentioned in the dumping margin table.

Normal Value and Export Price in case of Producers/exporters from Pakistan**M/s Ghani Glass Ltd**

48. M/s Ghani Glass Ltd has filed the Exporter Questionnaires in the present investigation. It is noted from the Exporter's Questionnaire filed by Ghani Glass Ltd that the Company did not export the subject goods to India during the POI. In the absence of any actual export of subject goods to India during the POI, the Authority is not in a position to determine export price and also individual dumping margin for the Company. It has been a request of the Company that the Authority must construct export price for the Company on facts available such as Company's export price to India during the previous year or export price to third countries. It is noted in this

regard that construction of export price for the purpose of dumping margin determination is not warranted as the Company did not export the subject goods to India during the POI. In the absence of any actual exports made by the Company, no individual dumping margin is determined for the Company.

M/s. Tariq Glass Industries Ltd

NORMAL VALUE

49. The Authority notes that M/s. Tariq Glass Industries Ltd. has submitted Exporter's Questionnaire response furnishing details of domestic sales and cost of production of subject goods during the POI. All the sales in the domestic market were made directly to independent customers. Tariq Glass has reported total domestic sales of *** MT of subject goods. The cost of production claimed for has been accepted. On the basis of cost of production claimed, the OCT test has been carried out, which indicates 86% of sales are profitable. Tariq Glass has claimed adjustment on account of rebates, inland transportation, credit cost and packing charges (wherever applicable). The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the normal value at ex-factory level in respect of the Tariq Glass. The ex-factory normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

EXPORT PRICE

50. As per the Exporter's Questionnaire, during the POI, the producer/exporter exported *** MT of subject goods to India for the gross invoice value of *** US\$ directly to independent customers in India. The producer/exporter has claimed adjustments for inland transportation and port related expenses. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the export price at ex-factory level in respect of the producer/exporter. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Normal value for all other producers/exporters from Pakistan

51. It is noted that no other producers/exporters from Pakistan have cooperated in the present sunset review investigation. In view of non-cooperation, the Authority has determined Normal Value for other producers/exporters based on facts available which is calculated and mentioned in the dumping margin table.

Export Price for all other producers/exporters from Pakistan

52. It is noted that no other producers/exporters from Pakistan have cooperated in the present sunset review investigation. In view of non-cooperation, the Authority has determined Export Price for such other producers/exporters based on facts available which is calculated and mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margin

53. Considering the normal values and export prices for the subject goods as determined above, the dumping margin for the subject goods as a whole has been determined as follows. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than *de-minimis* and significant.

Dumping Margin Table

Country	Exporter/Producer	Normal	Net	Dumping Margin		
		Value	Export			
			Price			
		(US\$/MT)	(US\$/MT)	US\$/MT	%	Range
UAE	Emirates Float Glass LLC, UAE	***	***	***	***	10-20
	Others	***	***	***	***	70-80
Pakistan	Tariq Glass Industries Limited	***	***	***	***	0-10
	Others	***	***	***	***	20-30

Saudi Arabia	All Producers and Exporters	***	***	***	***	90-100
--------------	-----------------------------	-----	-----	-----	-----	--------

Determination of Injury and Causal Link and Likelihood of Continuation or recurrence dumping and Injury to the domestic industry

Submissions made by the Exporting Producers/exporters/importers/other interested parties

54. The following are the injury and likelihood related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- That the Authority should examine the data filed by the Domestic Industry, as there are discrepancies in the data.
 - That the volume of imports from subject countries declined in absolute terms as well as in relative terms.
 - Inventories of the Domestic Industry are negligible and cannot be said to injure the Domestic Industry. Moreover, such low imports from subject countries cannot be held liable for any increase in inventory of the Domestic Industry. Therefore, there is no volume effect.
 - That the Domestic Industry has not claimed any price suppression / depression and therefore, this implies that imports play no role in the pricing policy of the Domestic Industry.
 - The production of the domestic industry has significantly improved, and the domestic industry has expanded its plant capacity over the period in a very significant manner. Thus, there is no adverse impact on this factor because of alleged dumped imports from subject countries.
 - There has been a marked improvement in production, production capacity, sales, employment, productivity (per day as well as per employee), etc. Thus, injury claimed by domestic industry of volume injury holds no merit.
 - The real cause for the alleged injury to the petitioner is not dumping from subject countries but from Malaysia.
 - With regard to import from UAE, it has been submitted that the petitioners might have included various non PUC thickness of clear float glass also in the PUC list to inflate the imports and the chance is that the reported price also may not be correct for the PUC. The exporter has asked this issue to be addressed.

Views of the Domestic Industry

55. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- That the domestic industry is already suffering injury due to continued dumping from the subject countries and revocation of anti-dumping duty shall lead to intensified injury to the domestic industry. Cessation of Anti-Dumping duty is likely to have significant suppressing and depressing effect on the prices of the product under consideration in the market.
 - Price underselling and undercutting is positive for all the subject countries (without adding anti-dumping duties). This also shows the injurious impact of the imports from subject countries.
 - As regards the submissions of interested parties that low quantum of imports and their impact of domestic industry, it is submitted that the current level of imports in sunset review has no relevance and therefore, it would be wrong to say that low imports proves no likelihood. Moreover, the landed value is way below the NIP and selling price of the domestic industry to cause injury. The Authority may like to appreciate that none of the exporters has claimed that they are not dumping the subject goods. Therefore, the Domestic Industry requested the Authority to kindly reject all the claims made by the responding interested parties.

Examination by the Authority

56. As regards the submissions of some of the interested parties that the Designated Authority should examine the data of the Domestic Industry, it is submitted that the Authority has used verified information for the purpose of this final findings.
57. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:
- “The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”*
58. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra. With regard to submissions made by one of the exporter from UAE about correctness of import data of subject goods, it is noted that the import data has been reexamined from the transaction wise data received from DGCI&S, and the correct data of import has been mentioned in the injury analysis.
59. The Authority notes that this review investigation has been initiated to examine the alleged likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods from Saudi Arabia, UAE and Pakistan and consequent injury to the domestic industry. In view of the fact that the goods are continuing to enter the Indian market from the subject countries at dumped prices and the conditions of inter se competition between the dumped imported articles and the like domestic articles exists, cumulative assessment of the effects of imports is appropriate to examine the injury and causal link. Therefore, the Authority proceeds to examine the impacts of dumped imports accordingly.
60. The injury analysis made hereunder addresses various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority.

Examination by the Authority with regard to continuation of injury**Volume Effect of Dumped Imports****Import Volume and Market Share**

61. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from the DGCI&S. The volume of imports of the subject good from the subject countries have been analyzed as under.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Saudi Arabia	MT	39,508	28,988	13,288	2,565
Imports from UAE	MT	4,291	3,669	3,472	4,337
Imports from Pakistan	MT	845	2,065	914	760
Imports from Subject Countries	MT	44644	34722	17674	7,662
Imports from Other Countries attracting ADD	MT	78,124	119489	49450	27,372
Imports from Other Countries	MT	24,071	62776	213155	241,599
Total Imports	MT	1,46,839	216986	280280	276,634
Sales of Domestic Industry	MT	7,99,041	815669	840805	893,088
Sales of Other Domestic Producers	MT	1,43,650	144500	201912	303,144
Total Domestic Sales	MT	9,42,691	960169	1042717	1,196,232
Demand	MT	10,89,530	1177155	1322997	1,472,866

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Share in Demand					
Imports from Subject Countries	%	4%	3%	1%	1%
Imports from Other Countries attracting ADD	%	7%	10%	4%	2%
Imports from Other Countries	%	2%	5%	16%	16%
Total Imports	%	13%	18%	21%	19%
Sales of Domestic Industry	%	73%	69%	64%	61%
Sales of Other Domestic Producers	%	13%	12%	15%	21%
Total Domestic Sales share in demand	%	87%	82%	79%	81%

62. Due to decline in imports from subject countries, the market share of imports from subject countries also declined in relation to the overall imports. Similarly, the market share of subject countries in total demand has also declined. The petitioner has further stated that being a sunset review, current import volumes are not that relevant but what is relevant is the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.

Price Effect of Imports

63. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

Price Undercutting

64. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

Particular	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Landed price of imports (Without ADD)					
Pakistan	Rs/MT	22550	23783	19328	19495
Saudi Arabia	Rs/MT	17037	17049	17631	16295
UAE	Rs/MT	20195	19289	20188	18703
Subject Countries as a whole	Rs/MT	17445	17686	18221	17975
Net selling price of Domestic Industry	Rs/MT	24246	24001	22734	21109
Landed price of imports (With ADD)					
Pakistan	Rs/MT	25266	26581	22017	22346
Saudi Arabia	Rs/MT	20878	21005	21433	20327
UAE	Rs/MT	25407	24658	25348	24173
Subject Countries as a whole	Rs/MT	21396	21723	22232	22704
Pakistan					
Price undercutting (Without ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	Range	0-10	0-10	10-20	0-10
Price undercutting (With ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	Range	(5)-5	(10)-0	0-10	(10)-0

Particular	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Saudi Arabia					
Price undercutting (Without ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	Range	40-50	40-50	20-30	20-30
Price undercutting (With ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	Range	10-20	10-20	0-10	0-10
UAE					
Price undercutting (Without ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	Range	20-30	20-30	10-20	10-20
Price undercutting (With ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	Range	(5)-5	(5)-5	(10)-0	(10)-(20)
Subject Countries as a whole					
Price undercutting (Without ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (Without ADD)	Range	30-40	30-40	20-30	10-20
Price undercutting (With ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	%	***	***	***	***
Price undercutting (With ADD)	Range	10-20	10-20	0-10	(10)-0

65. The Authority notes that the landed value (without anti-dumping duties) of the subject goods were much below the selling price of the domestic industry showing significant price undercutting being caused by the dumped imports from the subject countries in the POI. It is further submitted by the Domestic Industry that the landed value without anti-dumping duties also indicates the likely pricing behavior of exporters of the subject goods from subject countries. The petitioners have submitted that in case the duties are not extended the domestic industry will be forced to match the landed value of the subject goods from the subject countries without anti-dumping duties, which are very low, and therefore, will adversely affect the performance of the domestic industry in case the duties are not extended.

Price Underselling

66. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries, as follows:

Particulars	Unit	Pakistan	Saudi Arabia	UAE	Subject Countries
NIP	Rs/MT	***	***	***	***
Landed price of imports (Without ADD)	Rs/MT	19495	16295	18703	17975
Landed price of imports (With ADD)	Rs/MT	22346	20327	24173	22704

Price underselling (Without ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price underselling (Without ADD)	%	***	***	***	***
Price underselling (Without ADD)	Range	20-30	50-60	30-40	30-40
Price underselling (With ADD)	Rs/MT	***	***	***	***
Price underselling (With ADD)	%	***	***	***	***
Price underselling (With ADD)	Range	10-20	20-30	0-10	0 - 10

67. It is noted from the above table that the domestic industry has suffered price underselling on account of imports of the subject goods from the subject countries. It has been submitted that this could be the likely position of the Domestic Industry in the event of revocation of existing anti-dumping duties from subject countries are revoked.

Price Suppression and Depression

68. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. Table below shows the factual position:

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	95	96
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	94	87
Landed Value from Subject Countries	Rs/MT	17445	17686	18221	17975
Trend	Indexed	100	101	104	103

69. It is noted from the table above, that the selling prices of the subject goods in the domestic market has not increased in comparison to increase in the cost. It is further submitted that even though the cost of sales remains more or less the same, the Domestic Industry's selling prices declined substantially. During the same period, the landed prices of the imports has consistently been lower than the selling prices of the Domestic Industry. Accordingly, it is concluded that the dumped imports of subject goods from subject countries have suppressed the domestic industry prices, and the domestic industry is suffering continued price depression on account of imports of subject goods from subject countries.

Economic Parameters of the Domestic Industry

70. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

71. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

- a. Market share:** The effect of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been examined below. It is noted that imports of subject goods have declined significantly from subject countries. It has been claimed by domestic industry that imports have declined because of anti-dumping duties and they may recur in the event of revocation of anti-dumping duties.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Domestic Industry Sales- Applicant	MT	799041	815669	840805	893088
Sales of Other Domestic Producers	MT	143650	144500	201912	303144
Total Domestic Sales	MT	942691	960169	1042717	1196232
Imports from Subject Countries	MT	44644	34722	17674	7713
Imports from Countries already attracting ADD		78124	119489	49450	25868
Imports from Other Countries	MT	24071	62776	213155	243439
Total Imports	MT	146839	216986	280280	277020
Total Demand	MT	1089530	1177155	1322996	1473252
Trend	MT	100	108	121	135
Market share of Total Domestic Sales in Demand	%	86.52%	81.57%	78.81%	81.20%
Market share of Subject Countries in Demand	%	4.10%	2.95%	1.34%	0.52%
Market share of Countries attracting ADD in Demand	%	7.17%	10.15%	3.74%	1.76%
Market share of Other Countries in Demand	%	2.21%	5.33%	16.11%	16.52%

- b. Profitability:** It is noted from the table below that the overall losses of the Domestic Industry have increased significantly over the injury investigation period. Same trend is seen with respect to the profitability per unit.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	105	112
Sales Value	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	99	97
Selling price/unit	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	94	87
Cost (Rs. lacs)	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	100	107
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	95	96
Profit/loss per unit	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	84	10

It is noted that post imposition of anti-dumping duties, the Domestic Industry was able to improve its performance related to profitability. However, its performance again started to deteriorate post 2016-17 and the petitioners profit was adversely affected during the period of investigation. It is also noted that the adverse performance of the Domestic Industry in the period of investigation was on account of the fact that despite increase in the cost of production, the Domestic Industry was not able to increase its prices due to the price pressure exerted by the imports.

c. Return on Investment: The return on investment has seen similar trend as that of profitability as can be seen from the table below and it is noted that the ROI has significantly declined during the POI as compared to previous years.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capital employed	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	98	112
Profit	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	84	10
ROCE %	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	119	86	8

d. Production and Capacity Utilization: Domestic Industry has submitted that due to timely protection given by the Authority against dumped imports from subject countries, the Domestic Industry was able to increase its capacity to cater the demand. It is noted that the production of the Domestic Industry has increased which is largely due to the increase in production capacity which has increased keeping in view the increasing demand in the country. The capacity utilization of the Domestic Industry has remained in the same band despite the fact that the demand during the POI has increased substantially. The details of the same are provided below.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capacity	MT	1411700	1408900	1440700	1715500
Total Production	MT	1187674	1186379	1240049	1490825
Production PUC only	MT	893924	910076	960340	1077242
Capacity Utilization (Total Production)	%	84.13%	84.21%	86.07%	86.90%

e. Sales Volumes: It is noted from the data of the Domestic Industry that sales of the Domestic Industry increased due to increase in the demand of the subject goods in India. It is further noted that despite increase in volume, selling price of the Domestic Industry declined from 100 (indexed) points to 87 (indexed) points.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Sales	MT	799041	815669	840805	893088
Selling Price/unit	Rs/ MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	94	87

f. Inventories: The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table. It is noted from the table given below that the average stock during POI has increased as compared to the base year. This increase in the inventory also indicates the adverse impact of the import of subject goods from subject countries.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Closing stock	MT	51113	59186	84952	92921
Production	MT	893924	910076	960340	1077242
Average no of Working Days	Nos	365	365	365	365
Production per Day	MT	2449	2493	2631	2951
Inventory as no. of days of production	Nos	21	24	32	31
Inventory as no. of days of production	Indexed	100	114	155	151

g. Employment and Wages: The position with regard to employment and wages is mentioned in the table below. It is noted that employment level has increased due to increase in the capacity. Similarly, wages paid to them also increased marginally during the POI.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Employees	Nos	2722	2847	3201	3407
Trend	Indexed	100	105	118	125
Wages	Lacs	***	***	***	***
Wages per Employees	Rs/Year	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	108	104

- h. Productivity:** It is noted from the table below that productivity has remained almost constant throughout the injury investigation period. Accordingly, productivity is not a factor that can be attributed to injury.

Particulars	UoM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Employees	Nos	2722	2847	3201	3407
Average Nos of Working Days	Days	365	365	365	365
No. of Man Days	Man Days	993530	1039155	1168365	1243555
Productivity	MT/mandays	0.90	0.88	0.82	0.87
Trend	Indexed	100	97	91	96

- i. Magnitude of Dumping:** Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above *de minimis* and significant. The Authority has determined that the dumping margin of the cooperating exporters continues to be significantly high.
- j. Ability to raise Capital Investment:** It has been claimed that the future investment in the sector is marred by the presence of dumped imports from the subject countries. The significant decline in profitability and return on investment indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector could be adversely affected due to dumped imports from the subject countries.
- k. Factors affecting domestic prices:** Considering the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price causing significant price undercutting in the Indian market. It is seen that the imports of the product under consideration have increased from Malaysia for which an anti-dumping as well as CVD investigations are underway. Demand for the product is showing an increase and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the prices of dumped goods from subject countries are main factors responsible for the depressed and suppressed prices of the domestic industry.
- l. Growth:** The growth of the Domestic Industry continues to be negative for most of the injury parameters. The domestic industry has submitted that continued imposition of anti-dumping duty is very crucial as there is strong likelihood of continuance or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

Other Known Factors & Causal Link

72. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.
- a. **Volume and prices of imports from third countries**
73. Imports of the product under consideration from countries other than subject countries and countries already attracting anti-dumping duties are *de minimis* except Malaysia. The Authority has already initiated an anti-dumping as well as anti-subsidy investigations against Malaysia
- b. **Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.**
74. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not a possible reason of injury to the Domestic Industry.

c. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

75. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

d. Export performance of the domestic industry

76. The injury analysis has been done by the Authority taking into consideration their domestic operations only. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis.

e. Productivity of the Domestic Industry

77. It is noted that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee as well as production per day has marginally decreased from the base year.
78. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury on account of them. None of the interested parties have provided any evidence to suggest that the material injury caused to the Domestic Industry is attributable to other known factors.

Injury Margin

79. The non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during the POI. The injury margin determined are as under:

Country	Exporter/Producer	Injury margin				
		Landed Value	NIP	Injury Margin	Injury Margin%	Range %
UAE	Emirates Float Glass LLC, UAE	***	***	***	***	(0-10)
	Others	***	***	***	***	30-40
Pakistan	Tariq Glass Industries Limited	***	***	***	***	10-20
	Others	***	***	***	***	20-30
Saudi Arabia	All Producers and Exporters	***	***	***	***	50-60

Conclusions on continuation of injury and causal link

80. The above examination indicates that the imports of the subject goods from the subject countries are entering the Indian market at dumped prices though the volume is low. These imports from all such sources are causing price suppression and price depression effects on the domestic industry's prices. The underselling margins are also considered high from subject countries. Further, the financial health of the domestic industry has deteriorated in spite of improvement in production and sales due to the price effects from imports of subject countries. In view of the above, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury in terms of financial losses and the injury is on account of imports from several countries subjected to antidumping duty, including the subject countries.

Likelihood of Continuation or Recurrence of Dumping and Injury**Views of the Domestic Industry**

81. The domestic industry, in its submissions, has argued that there is continued dumping of the products under consideration from the subject countries. Though the volume of dumped imports has declined, their dumping margin is positive and above *de minimus*. It is submitted that dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject countries should the current anti-dumping duty be revoked. It has been inter alia argued.

- a. That the domestic industry is already suffering injury and revocation of anti-dumping duty will lead to intensified injury to the domestic industry. Cessation of anti-dumping duty is likely to have significant suppressing and depressing effect on the prices of the product under consideration in the market.
- b. That the producers in subject countries maintain huge capacities of subject goods. In this regard the domestic industry has submitted the evidences to substantiate the claim of surplus capacities of the subject goods in the subject countries. As per the submission of the Domestic Industry capacity of the subject goods in subject countries is as follows:

Particulars	Capacity
Saudi Arabia	
M/s Saudi Guardian Glass	292000
M/s Obeikan Glass Company	292000
M/s Arabian United Float Glass Company	219000
UAE	
M/s RAK Guardian Glass	255500
M/s Emirates Glass	219000
Pakistan	
M/s Tariq Glass Industries Limited	109500
M/s Ghani Glass Limited	500000
Total Capacity of known producers in the Subject Country	1887000
Demand in India	1473252
Capacity of subject countries as a percentage of Indian Demand	128%

- c. From the above, it has been submitted that subject countries have sufficient capacities to disturb the Indian market, which if diverted to India at current prices, there is every likelihood that the condition of the Domestic Industry will further worsen. It is further submitted that as per the information available with the Domestic Industry, the combined capacity and production is far in excess of local market demand of the subject goods in the subject countries.
- d. It is further submitted by the Domestic Industry that the exporters from UAE have very limited market avenues to supply subject goods to their neighboring countries due to excess capacity existing in Saudi Arabia and with current political issues in the region with Qatar and Iran. Further, the exporters from UAE and Saudi Arabia are also facing anti-dumping action from other countries namely South Africa and Brazil. In view of the aforesaid, and with growing demand in India, Indian market remains the top export destination for the exporters from the subject countries.
- e. In order to substantiate its claim, the Domestic Industry has further submitted that as per the data obtained from ITC Trade Map relating to export potential of subject countries for their exports of subject goods, Indian market remains the attractive destination for the exporters of the subject countries. From the said data, for Saudi Arabia, UAE and Pakistan, Indian market is ranked 4th, 2nd and 2nd respectively. In such a scenario, the continuation of the existing duties is imperative for the survival of the Domestic Industry.
- f. It has been submitted that the as per the questionnaire response filed by Emirates Glass, there has been a decline in production, sales as well as exports to India and other countries.

Indexed	2015	2016	2017	2018	Remark
Installed Capacity	100	100	100	100	Constant
Production	100	98	95	98	Declined
Domestic Sales MT	100	106	100	90	Declined
Exports to India	100	34	55	74	Declined
Exports to Other Countries	100	90	79	66	Declined

From the above, it has been submitted that post imposition of anti-dumping duties by other countries namely, South Africa & Brazil, exports to India have already increased from 34 (indexed points) to 74 (indexed points). This is a clear indication that if duties are revoked, exporters from UAE will flood the Indian market with their surplus capacity, and also the fact that their exports to other markets have been severely curtailed for reasons elaborated above. In view thereof, the domestic industry has requested to extend the duties on exporters of UAE.

- g. That the price undercutting and price underselling is positive from all the subject countries, this shows that if duties are revoked, Domestic Industry will again come under pressure from the subject countries and their condition will worsen.
 - h. It has further been submitted inventories of one of the companies namely, M/s The National Company for Glass Industries have stacked to almost double from 2015 to 2018. This fact itself clearly establishes that the exporters in Saudi Arabia are having idle capacities and surplus exportable goods.
 - i. That a decline in imports post-imposition of duty coupled with the fact that the dumping margins are still positive, is a clear indication of likelihood of dumping in the event of withdrawal of duty.
82. In view of the above, domestic industry has submitted that there is every likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury once the duties are withdrawn, as withdrawal of the anti-dumping duties will provide a free access to the manufacturers/exporters of the subject goods from the subject countries to continue dump the subject goods in India.

Views of the Domestic Industry after the disclosure statement

83. Domestic Industry has requested for proper adjustment of packing and transshipment cost in the export price. Domestic Industry has further submitted that it is practically not possible to ship naked glass particularly seeing the nature of the subject goods. Domestic Industry has further requested the Authority to adjust cost of transportation and custom charges, if wooden pallets are going back from India to Pakistan.
84. In relation to the submission of the EFG that their export price to world is 10% higher than the prices to India, clearly proves that the exporter has continued dumping practice, to remain attractive in the Indian market. Further, this is a clear indication, if duties are removed from EFG, they will flood the Indian market with dumped and non-remunerative imports.
85. In relation to the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the Domestic Industry, Domestic Industry submitted that there is positive dumping from all the subject countries and none of the cooperative exporters has disputed that they are not dumping the subject goods in India. Since despite duties dumping is continued and Domestic Industry is suffering injury, there is every likelihood that this phenomenon will intensify if duties would be revoked from subject countries.
86. After the issuance of disclosure statement, the domestic industry has submitted that the Authority has allocated 'other manufacturing overheads' in sales ratio in contrast to the approach of the Authority in other cases wherein certain expenses are allocated based on production ratio based on their nature. They have also requested the Authority to reconsider the proposed methodology and allocate the "other manufacturing overheads" on the basis of their nature as is the consistent practice. They have also requested the Authority to reconsider the summary rejection of expenses relating to research and development, other administrative expenses and corporate expenses.
87. On the issue of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the Domestic Industry, it has been submitted that there is positive dumping from all the subject countries and none of the cooperative exporters has disputed that they are not dumping the subject goods in India. Since despite duties dumping is continued and Domestic Industry is suffering injury, there is every likelihood that this phenomenon will intensify if duties would be revoked from subject countries.
88. Domestic Industry has further submitted that with the current political situation of Gulf region and the fact that there are sufficient capacities in the neighboring countries like Saudi Arabia and Iran, there is every possibility that increased inventories will be diverted to India in the event duties are revoked.
89. The domestic industry has reiterated the fact that Increased Inventory will find its way to Indian Market.
90. It has also been submitted that exporters from UAE including EFG are facing multiple anti-dumping investigation from Brazil, Egypt and South Africa, except India. These multiple investigations clearly show that the producers from UAE including EFG are exporting their goods at lower prices to capture the demand in the importing country. This further proves that if duties are revoked, increased inventory will find its way in the Indian market. Moreover, since current prices to India are already lower compared to their prices to other export markets, it is clear that the said exporter has not refrained from its dumping practices.

91. On the issue of Attractiveness of the Indian Market for Exporters from EFG and other exporters from UAE, it has been submitted that the demand for the subject goods in India is continuously increasing making India an attractive market for the foreign exporters. Moreover, due to the fact that UAE is facing anti-dumping duties from Brazil, Egypt and South Africa, Indian market remains attractive market for EFG and other UAE exporters.
92. Domestic Industry has also placed reliance on the data from ITC Trade Map relating to export potential for UAE. According to that data, India is ranked 2nd in top markets with potential for UAE's exports of subject goods, that also substantiate our point that India is an attractive market for subject goods for exporters.
93. They have also submitted that once levy of 200% is removed, exporters from Pakistan will again start dumping and send their goods at non-remunerative prices to regain their share in Indian market.
94. The Domestic Industry has requested correction in the NIP due to certain calculations errors in the NIP calculations. They have also submitted the details of their claim.

Submissions by Producers/exporters/importers and other interested parties

95. That the imports from subject countries accounts for insignificant portion of the total imports and demand in the country. Such low prices imports cannot be said to injure the Domestic Industry.
96. That the Domestic Industry is suffering injury because of the low prices of imports from Malaysia and not because of imports from subject countries.
97. That the Domestic Industry has not provided any substantial evidence to prove likelihood of continuation and recurrence of dumping and injury to the Domestic Industry.
98. That the submission of the Domestic Industry that cooperating producers / exporters from subject countries are having huge surplus capacity is incorrect.
99. That there is no excess capacity with M/s Emirates Float Glass and that they are operating at 95-100% of their capacity. It has been further submitted that their exports to India declined due to robust domestic market and export to third countries. M/s Emirates Float glass has also submitted that their exports to other countries are at 10% higher prices as compared to India. This shows that quantity exported to other countries will not be diverted to India. They have also submitted that the export price to India did not decline even when the cost of production declined. Further, they have also not reduced their prices to match the prices of other exporters to India.
100. That post levy of 200% custom duty from Pakistan, there is no likelihood of any imports and subsequent injury to Domestic Industry. Therefore, no duty should be extended to Pakistan. M/s Ghani Glass Ltd, Pakistan (Producer/Exporter) have also submitted that Capacity utilization of GGL also has increased throughout the injury period and GGL could increase its prices to the domestic as well as third country markets substantially which shows GGL is not under any volume pressure to divert material to any particular market at an injurious price.

Submissions made by the Producers/importers/other interested parties after the disclosure statement

101. Imports from Pakistan have declined in absolute terms over the period of injury, from 2065 MT in 2016-17 to 760 MT in calendar year 2018 (POI). The Authority has failed to observe the trend of decline in the volume of imports from the subject countries and particularly from Pakistan.
102. Certain information like volume, value etc. have been revised by the Authority at the time of issuance of Disclosure Statement. However, a very short duration has been provided by the Authority for the interested party to relay feedback regarding the same. Essentially, three working days' time has been afforded to the interested parties to collate views on data being presented for the first time ever over the course of this investigation.
103. The participating producers / exporters in the present sunset review investigation and those in the previous original investigation are different and the Authority must ensure that individual margins based on lesser duty rule are assigned to those parties which have participated in the present sunset review investigation. The Authority cannot simply "continue" duties, as determined in the present sunset review investigation, owing to the distinct facts and circumstances in the present case as well as the individual margin calculated in the present case.
104. Various cost parameters of the petitioners have seen a marked increase and their profitability has also seen a downturn on account of capacity expansion during POI. The Authority must not ignore the impact of capacity expansion upon the profitability of the petitioners as well as on various other parameters of the petitioners.
105. The Authority has noted that the domestic industry was able to improve its performance related to profitability after imposition of anti-dumping duties but the same was adversely affected owing to the price pressure exerted by imports. The Authority must explain how this price parameter is being linked to the subject imports
106. The interested parties have submitted in their comments to disclosure statement that to assess undercutting of the domestic prices by the prices of the subject goods from the subject countries, the Authority must compare the import prices after addition of anti-dumping duties. This has also been the Authority's approach in several cases

where price undercutting was considered after addition of ADD to the import prices, for the purposes of such assessment. It has also been added that there is negative price undercutting in the present case with respect to imports from Pakistan, UAE and subject countries as a whole. Therefore, in the POI when the prices from the allegedly dumped sources were higher than the prices of the domestic industry, it is unclear how they could have compelled the Petitioner to reduce its price either by way of suppression or depression.

107. It has been submitted that the Authority has failed to consider their submissions regarding the impact of the voluminous imports from Malaysia at significantly low prices and which are, admittedly, under examination for dumping and subsidization. It has been added that the Market Share of the Petitioners is as high as 80%, and the profitability and ROI of the Petitioners appears to be impacted by two causes: (a) the low priced voluminous imports from Malaysia and (b) the capacity expansion undertaken by the Petitioners in the recent years.
108. It has been submitted that the magnitude of dumping from Pakistan is significantly low. Finally, even the ability to raise capital – as far as can be observed by noting the additional capacities introduced by the Petitioners- shows a healthy trend. Thus, only the price parameters appear to be impacted and their decline coincides squarely with low price and voluminous Malaysian imports.
109. It has been submitted that as of February 2019, the Government of India hiked the customs duty on all goods imported from Pakistan to 200% with immediate effect, a day after it revoked the most favoured nation (MFN) status that had been extended in 1996. They have added that in view of the current customs duties, there is no likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry owing to any imports from Pakistan.
110. Data provided by the Petitioners relating to existence of surplus capacities is incorrect and must be rejected.
111. The Petitioners have reduced their cost of sales and their selling price, regardless of the increasing import prices of the subject goods. Therefore, it appears that the pricing policy of the subject countries does not affect the pricing policy of the petitioners. In any case, the volume of imports from the subject countries is miniscule and cannot have an impact on the pricing of the domestic industry.
112. The Petitioners have not provided any post POI data to indicate the likelihood of the continuation or recurrence of dumping and injury, even though data of the post POI, at least the first quarter of calendar year 2019 could easily have been supplied.
113. Positive dumping margin in the POI is not suggestive of dumping and consequent injury to the POI. Even post POI data shows absence of likelihood of dumping and injury. It is further submitted that the continued exports from EFG has not cause any injury to the DI which is evident from the fact that injury margin is negative concerning exports by EFG. They have also submitted that their dumping margin is halved of what was there in original investigation and even injury margin is also reduced from 35-45% to nil. This proves that there is no justification for continuation of existing duties on EFG.
114. Continued exports from EFG did not cause any injury to the DI which is evident from the fact that injury margin is negative concerning exports by EFG. Any alleged injuries thereafter are clearly on account of subsidized imports from Malaysia and a CVD investigation is under progress against Malaysia. Injury on account of such other factors should not be attributed to EFG.
115. The injury margin in case of exports by EFG in the original case was 35-45% as per the Final Finding. The same is negative as per the present disclosure statement. This shows there is a paradigm shift in case of export of PUC from EFG to India and this fact shows beyond any ambiguity that continuation of present duties concerning EFG is not justified

Examination by the Authority on likelihood of dumping and Injury

116. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties imposed on the imports of subject goods from subject countries. In relation to the submissions of the interested parties about current dumping margin and injury margin, it is noted that the sunset review investigation is primarily to carry out the likelihood analysis. As per the rules, the Authority is required to analyze likelihood of continuation of dumping of subject goods from subject countries and injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duties. At the same time, it is pertinent to note that current dumping margin and injury is a good indicator of likelihood of dumping and injury that in the event duties are withdrawn, injury to Domestic Industry was likely to continue.
117. That there is continued dumped imports of the subject goods from the subject countries despite imposition of the anti-dumping measures, and dumping margins determined for each of the co-operating producers and exporters from subject countries continue to be significant. This, by itself, shows that there is likelihood of dumping of subject goods from subject countries also Moreover, imports without ADD are landing at prices lower than the domestic selling prices which shows the likely injurious impact of the imports from subject countries on the Domestic Industry

118. Various factors have been examined to see whether there is a likelihood of continuation and recurrence of dumping and injury from the subject countries during the injury investigation period, and whether in such a scenario the domestic industry would continue to suffer material injury.
119. As per the information made available by the interested parties, and after examination, it is noted that large capacities to manufacture this product continue to exist in the subject countries, and though the volumes of imports of subject goods have declined after imposition of anti-dumping duties, their prices without adding the anti-dumping duties continue to hurt the domestic industry as illustrated and examined in the appropriate heading in this disclosure statement. With regard to submissions made by the co-operating producer and exporter from UAE that their prices to other countries are higher than export prices to India, and there is high capacity utilization, and therefore there is no incentive to dump the subject goods to India, it is noted that volume of the exports of M/s Emirates Glass to India continued to grow during the last 3 years of the injury period, and they continue to dump the subject goods to India. It is also noted that producers and exporters in the subject countries continue to have high levels of inventories, and the increased levels of inventory may find its way to the Indian market, in the event duties are revoked from the subject countries.
120. There are anti-dumping duties by South Africa and UAE on imports of subject goods from Saudi Arabia and UAE. Therefore, it is noted that any expiry of duty in India will benefit these exporters of the subject goods from subject countries, and these exporters would continue to dump the subject goods into India and injure the domestic industry.
121. Despite the anti-dumping duty being in force, the import of the subject goods from the subject countries continues to be at dumped prices, and dumping margins determined for these producers and exporters continue to be significant. The injury margin determined with respect to all producers and exporters from subject countries with the exception of M/s Emirates Glass continue to be positive and significant.
122. The evidences on record shows that India will remain a large export destination for subject countries and domestic industry in India remains seriously vulnerable to such dumped imports.
123. It is further noted that the Indian market for the subject goods continues to have a healthy demand for the product which is in line with the general economic growth. It is further submitted that due to continued growth in the market, India would continue to remain an attractive market for the global players with surplus capacity to export at marginal cost pricing. However, if the duties are removed, the Indian market will become much more attractive, as they could sell more quantities.
124. The essential facts gathered in this investigation shows that dumping of the subject goods from the subject countries continued and as a result the domestic industry continued to suffer injury as can be seen from the performance of the domestic industry in POI and in the injury period. The information on record also shows that there are excess capacities in the subject countries and exporters from the Saudi Arabia and UAE are subject to anti-dumping duties from South Africa and Brazil. Such excess capacities coupled with trade barriers may lead to increased level of exports at dumped price to India in the event of expiry of present duties.

Examination by the Authority with regard to comments received after disclosure statement

125. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and have been examined and addressed in the foregoing parts of the present findings and at the time of issue of the disclosure statement. The findings above deal with all such arguments of the domestic industry and other interested parties. However, the Authority has examined these submissions herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere:
126. With regards to revision of some domestic industry data from the data filed by the domestic industry in their petition, it is noted that the Authority has used the verified information of the Domestic Industry. With regard to domestic industry submission for correction of NIP figures, the matter has been examined and it is noted while calculating the NIP, there was a linking error in the numbers while determining the NIP. The same has been duly corrected.
127. With regard to the submission made by exporters that inadequate time was provided for disclosure comments, the Authority notes that keeping in view the time period permitted for completing the investigation, reasonable and adequate time was provided to the interested parties for submission of post disclosure comments.
128. As regards the various injury parameters, the Authority has carried out the analysis under their respective headings while making an assessment of injury and likelihood of injury.
129. In relation to the submissions of the interested parties that Domestic Industry is suffering because of dumped and subsidized imports from Malaysia, the Authority notes that the causal link analysis in a sunset review

investigation is of less consequence depending upon the facts and circumstances of each case. In this regard, it is noted that the Authority has already initiated the investigation on the basis of prima facie evidence that exports from Malaysia are being dumped into the country. As far as this sunset review is concerned, it may be noted that Domestic Industry is suffering because of imports from subject countries also and it is not necessary that the entire injury should be on account of imports from the subject countries. Further, since the quantum of imports from cooperative exporters is not reflective of total imports from subject countries, no conclusion can be drawn based on such quantities. In view of the above, the Authority holds that low or no volumes from the subject countries do not have any bearing on the likelihood analysis which is the primary basis for reaching a conclusion regarding the extension of the anti-dumping duties.

130. With regard to the submission that landed price of imports from EFG, UAE is higher than fair price of the Domestic Industry, Authority notes that EFG is having positive dumping margin and negative injury margin during the POI. However, given the fact that dumping margin continues to be significant from this exporting producer from UAE and also the fact that exporters from UAE and Saudi Arabia are also facing anti-dumping action from other countries namely South Africa and Brazil, there is a strong likelihood of further continuation of dumping with injurious impact on the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duty on EFG.
131. With regard to the submission made by exporters that it is unlikely that the goods will be diverted to India in the event of revocation of the anti-dumping duty, the Authority notes that considering the substantial demand for the subject goods in the Indian market, capacities in the subject countries and their export orientation, revocation of the antidumping measures may result in continued dumping and consequent injury to the domestic industry.
132. In relation to analysis of landed value post adding anti-dumping duty, the Authority has analyzed impact of landed value both with and without the incidence of anti-dumping duties. It is also important to note that landed value without adding anti-dumping duty is a good indicator of likely prices for likelihood analysis, which is of prime importance in any sunset review investigation.
133. In relation to the submissions of the interested parties about linking of imports from subject countries and injury parameters of the Domestic Industry, it is noted that this being a sunset review investigation, current imports do not have much relevance, as the Authority is required to analyze and record its findings with regard to the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Therefore, the claim that the imports have declined is of no consequence in the facts and circumstances of the present investigation.
134. The Authority notes that the assessment of injury as well as its likelihood has to be done cumulatively for all the subject countries unless the circumstances warrant otherwise. It is a fact that the imports from Pakistan have been very low which is on account of the withdrawal of MFN status and imposition of 200% customs duties by India. Therefore, the analysis has been carried out on the basis of the available relevant data. The Authority does not consider it necessary to carry out injury or likelihood analysis in respect of each of the subject countries in the facts and circumstances of this case.
135. With regard to examination of post POI data, it is noted that there is no mandatory requirement, legal or otherwise, for the Authority to examine the post POI data for carrying out the analysis of the likelihood of the continuation or recurrence of dumping and injury particularly in view of the fact that there is sufficient evidence to indicate the existence of current dumping and injury and likelihood of dumping and injury if the duties are revoked.
136. With regard to non cognizance of some of the comments made by interested parties, it is noted that as a matter of consistent practice and requirement of the provisions of law, the Authority invariably records and addresses all the submissions which it considers as relevant to the analysis and decision in the investigations. Therefore, it would be wholly incorrect to presume that the submissions of the exporters have not been taken cognizance of. As regards the submission that there is no injury in the context of exports from EFG, it is noted that no legal or logical basis has been pointed out which mandates the Authority to carry out any exporter-wise injury or likelihood analysis.
137. With regard to the claim of the exporter from Pakistan (Tariq Glass) for individual dumping margin as they were not part of original investigation, it is noted that they are presently subject to residual anti-dumping duty as though they had been assigned a separate anti-dumping duty in the new shipper review, the new shipper review was quashed by the Hon'ble High Court. In view of the facts of this case, since they were not part of the original investigations, it has been decided to assign a separate margin to them based on their response.
138. With regard to the submission of interested parties that the Authority can modify the duties in a sunset review, it is noted that the decision of the Authority to extend the duties or to modify depends on the circumstances of each individual case. In the instant investigation, it is noted that the quantum of imports from participating exporters / subject countries is very low as compared to total imports made from subject countries which, in the absence of

any other cogent reason, appears to be on account of the existing anti-dumping duties. After examining the facts and circumstances of this case, it is considered appropriate to extend the current duties for all the subject countries / all the producers/exporters except for those producers and exporters who have not participated in this current SSR investigations. The Authority also notes that continuation of the existing duties pursuant to the sunset review investigations, does not affect the right of the exporters to seek a review of the existing duties in terms of Rule 23(1A) if the conditions mentioned therein are satisfied.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:

139. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
140. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

Final Conclusions

141. After examining the submissions made by the opposing interested parties and the domestic industry and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that
 - a. The product under consideration has been imported to India from the subject countries below its associated normal value, thus, resulting in dumping of the product.
 - b. The domestic industry has suffered continued injury on account of dumped imports from the subject countries.
 - c. The information on record shows likelihood of continuation of dumping and injury in case the ADD in force is allowed to cease at this stage.
 - d. Examination of the information on record as well as the submissions made by various parties indicate that the imports from the subject countries continue to injure the Indian Domestic Industry.
 - e. Further, the Authority also holds that there is sufficient evidence to indicate that the revocation of the anti-dumping duties at this stage will lead to continuation of dumping and injury to the Domestic Industry.

Recommendations

142. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link.
143. Having concluded that there is positive evidence on the aspect of dumping, injury and causal link, likelihood of dumping and injury, if the existing anti-dumping duties are allowed to cease, the Authority is of the view that continuation of duty is required against all the subject countries.
144. Under the circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend existing quantum of anti-dumping duties against imports of subject goods from Pakistan, Saudi Arabia and UAE, except those who have not participated in the current SSR investigations. Those non cooperating producers and exporters in this SSR investigations have been accorded residual duty as determined in the original investigations. In case of Pakistan, Tariq Glass Industries Ltd had not exported the subject goods to India during the POI of original investigations. However, in the present review investigation Tariq has responded and provided information which has been considered by the Authority and individual dumping margin and injury margin has been determined. Accordingly, the Anti-dumping duties for responding producers and non-cooperative producers from subject countries are recommended and are as per the duty table below. The Authority, thus, considers it necessary to recommend continuation of definitive anti-dumping duty as modified on all imports of the subject goods from the subject countries as per column 7 in the duty table below:

DUTY TABLE

Sl. No	Sub-heading	Description of Goods *	Country of origin	Country of exports	Producer	Amount	Unit of measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7003, 7004, 7005, 7009, 7013, 7015, 7016, 7018, 7019, 7020	Clear Float Glass of nominal thicknesses ranging from 4 mm to 12 mm (both inclusive), the nominal thickness being as per BIS14900:2000	Saudi Arabia	Saudi Arabia	Any	165.07	MT	US\$
2	-do-	-do-	Saudi Arabia	Any country, other than subject countries	Any	165.07	MT	US\$
3	-do-	-do-	Any country, other than subject countries	Saudi Arabia	Any	165.07	MT	US\$
4	-do-	-do-	United Arab Emirates (UAE)	United Arab Emirates (UAE)	Emirates Float Glass LLC, UAE	79.00	MT	US\$
5	-do-	-do-	United Arab Emirates (UAE)	United Arab Emirates (UAE)	Any other than at Sl. No 4 above	111.15	MT	US\$
6	-do-	-do-	United Arab Emirates (UAE)	Any country, other than subject countries	Any	111.15	MT	US\$
8	-do-	-do-	Any country, other than subject countries	United Arab Emirates (UAE)	Any	111.15	MT	US\$
9	-do-	-do-	Pakistan	Pakistan	Ghani Glass Limited,	82.34	MT	US\$
10	-do-	-do-	Pakistan	Pakistan	Tariq Glass Industries Limited	25.59	MT	US\$
11	-do-	-do-	Pakistan	Pakistan	Any other than at Sl. No 9 and 10 above	123.61	MT	US\$

12	-do-	-do-	Pakistan	Any country, other than subject countries	Any	123.61	MT	US\$
13	-do-	-do-	Any country, other than subject countries	Pakistan	Any	123.61	MT	US\$

Note * : Reflective glass and Tinted glass including green glass and transition glass are not included in the description of goods in the duty table above.

145. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
146. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Designated Authority